■ आषाढ़ कृष्णा - 01 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 314 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » गुरुवार » 12-06-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 प्रधानमंत्री के 11 साल विफलताओं और जन विरोधी नीतियों का शानदार स्मारक हैं : कांग्रेस

6 दरकते रिश्ते, शर्मसार समाज और पतिहंता नवविवाहिताएं

7 'जुड़वां जाल' में अपने किरदार को दमदार बनाने के लिए देखी फिल्म 'सीता और गीता' : मोनालिसा

फर्स्ट टेक

ताइवान में भूकंप का तगड़ा झटका

ताइपे/एपी। ताइवान में हुआलिएन शहर से लगभग 71 किलोमीटर दक्षिण में बुधवार शाम में भूकंप आया। यह जानकारी निगरानी एजेंसियों ने दी। भूकंप बुधवार शाम 7:01 बजे मोबाइल फोन अलार्म बजने के कुछ ही सेकंड बाद आया। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण ने बताया कि भूकंप की तीव्रता 5.9 थी और इसका केंद्र जमीन में 31.1 किलोमीटर की गहरायी पर स्थित था। हालांकि ताइवान के केंद्रीय मौसम प्रशासन ने इसकी तीव्रता 6.4 बतायी। राजधानी ताइपे में इमारतें करीब एक मिनट तक हिलती रहीं। हालांकि, भूकंप में किसी बड़ी क्षति की तत्काल कोई सूचना नहीं है। राजधानी ताइपे से 154 किलोमीटर दक्षिण में स्थित हुआलिएन की आबादी अपेक्षाकृत कम है, जबकि द्वीप का पश्चिमी भाग अत्यधिक भीड़भाड़ वाला है।

डेनमार्क की संसद ने देश में अमेरिकी सैन्य अड्डे बनाने को मंजूरी दी

कोपेनहेगन/एपी। डेनमार्क की संसद ने बुधवार को अमेरिका को देश की धरती पर सैन्य अड्डे स्थापित करने की अनुमति देने का प्रावधान वाले एक विधेयक को मंजूरी दे दी। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप डेनमार्क के अर्ध-स्वायत्त ग्रीनलैंड पर नियंत्रण करना चाहते हैं। विधेयक की अलोचना करने वालों का कहना है कि इसके जरिये डेनमार्क ने अपनी संप्रभुता अमेरिका के समक्ष गिरवी रख दी है। यह विधेयक 2023 में (अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो)बाइडन प्रशासन के साथ किए गए पिछले सैन्य समझौते को और व्यापक बनाता है। इसके तहत अमेरिकी सैनिकों को इस स्कैंडिनेवियाई देश के सैन्य हवाई अड्डों तक व्यापक पहुंच सुनिश्चित होगी।

सिंगापुर ने साइबर अपराध से जुड़े 1,000 आईपी को हटाया

सिंगापुर/भाषा। सिंगापुर के अधिकारियों ने 1,000 से अधिक इंटरनेट प्रोटोकॉल (या आईपी) पते को हटा दिया है, जिनके बारे में माना जाता है कि वे साइबर अपराधों से जुड़े थे । अधिकारियों ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। पुलिस ने एक बयान जारी कर बताया कि सिंगापुर पुलिस बल (एसपीएफ) के आपराधिक जांच विभाग के तहत साइबर अपराध कमान के अधिकारियों ने देश में आईपी पते को हटाने के लिए सिंगापुर की साइबर सुरक्षा एजेंसी (सीएसए) के साथ काम किया। यह वैश्विक पुलिस संगठन इंटरपोल के नेतृत्व में 26 देशों में चार महीने के अभियान का हिस्सा था और इसे 'ऑपरेशन सिक्योर' नाम दिया गया था।

12-06-2025 सूर्यास्त 6:46 बजे | 13-06-2025 सूर्योदय 5:53 बजे

BSE	NSE
82,515.14	25,141.40
(+123.42)	(+37.15)

सोना	चांदी
10,098 रु.	100,550 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

भारत-पाक संघर्ष महज टकराव नहीं, बल्कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ब्रसेल्स/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि भारत और पाकिस्तान के बीच हालिया टकराव महज दो पड़ोसियों के बीच संघर्ष नहीं था, बल्कि यह उस आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई थी, जो अंततः पश्चिमी देशों को भी परेशान करेगा।

जयशंकर ने बुधवार को यूरोपीय समाचार वेबसाइट 'यूरैक्टिव' के साथ एक साक्षात्कार में यूरोपीय संघ-भारत मुक्त व्यापार की भी वकालत की तथा इस बात पर बल दिया कि 1.4 अरब की आबादी वाला भारत, चीन की तुलना में कुशल श्रम और अधिक भरोसेमंद आर्थिक साझेदारी प्रदान करता है।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद जवाबी कार्रवाई करते हुए चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' के लगभग एक महीने बाद यूरोप की यात्रा पर गए जयशंकर ने कहा, ''मैं आपको एक बात याद दिलाना चाहता हूं कि ओसामा बिन लादेन नाम का एक आदमी था। वह पाकिस्तान के एक सैन्य छावनी वाले शहर में वर्षों तक सुरक्षित क्यों महसूस करता था?''

वह भारत और पाकिस्तान के बीच हाल ही में हुए चार-दिवसीय संघर्ष को लेकर पूछे गए एक प्रश्न का उत्तर दे रहे थे।

'ऑपरेशन सिंदूर' को परमाणु हथियार वाले दो पड़ोसियों के बीच प्रतिशोध के रूप में पेश करने के लिए अंतरराष्ट्रीय मीडिया की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा, ''मैं चाहता हूं कि दुनिया समझे कि यह केवल भारत-पाकिस्तान का मुद्दा नहीं है। यह आतंकवाद के बारे में है, और यही आतंकवाद अंततः आपको (पश्चिमी देशों को) भी परेशान करेगा।''

जब उनसे पूछा गया कि रूस के खिलाफ पश्चिमी देशों द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों में भारत शामिल क्यों नहीं हुआ, तो जयशंकर ने कहा कि मतभेदों को युद्ध के जरिये नहीं सुलझाया जा सकता। उन्होंने कहा, ''हम नहीं मानते कि मतभेदों को युद्ध के जरिये सुलझाया जा सकता है, हम नहीं मानते कि युद्ध के मैदान से कोई समाधान निकलेगा।

कर्नाटक में कैबिनेट फेरबदल पर कोई चर्चा नहीं : सिद्दरामय्या और खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कलबुर्गी/चिक्कबल्लापुरा। कर्नाटक में मंत्रिमंडल में फेरबदल की अटकलों के बीच मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को स्पष्ट किया कि ऐसी कोई चर्चा नहीं हुई है। नई दिल्ली में मंगलवार को कांग्रेस के नये मुख्यालय में खरगे, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव (संगठन) के सी वेणुगोपाल और पार्टी महासचिव एवं कर्नाटक मामलों के प्रभारी रणदीप सुरजेवाला की सिद्दरामय्या और उप मुख्यमंत्री एवं कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के अध्यक्ष डी के शिवकुमार के साथ बैठक के बाद अटकलों ने जोर पकड़ लिया।

खरगे ने कलबुर्गी में संवाददाताओं से कहा, ''इस पर (केपीसीसी अध्यक्ष बदलने) कोई चर्चा नहीं हुई है, कैबिनेट फेरबदल और कैबिनेट में नये लोगों को शामिल करने पर भी कोई चर्चा नहीं हुई।'' कैबिनेट फेरबदल से जुड़े एक सवाल के जवाब में सिद्दरामय्या ने चिक्काबल्लापुरा में कहा, इस पर कोई चर्चा नहीं हुई। सरकार के दो साल पूरे होने के बाद कैबिनेट फेरबदल के लिए राज्य में सत्तारूढ़ कांग्रेस के भीतर दबाव बढ़ रहा है। मंत्री पद की उम्मीद लगाए विधायकों के एक वर्ग ने फेरबदल की मांग की है, जबकि कुछ ने खुले तौर पर कैबिनेट में शामिल होने की इच्छा जतायी है। मई 2023 में कांग्रेस सरकार बनने के बाद से राज्य मंत्रिमंडल में कोई फेरबदल

भारत के बुनियादी ढांचे का विकास, जीवन को आसान बना रहा है : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में पिछले 11 वर्षों में किए गए बुनियादी ढांचे के विकास पर प्रकाश डालते हुए बुधवार को कहा कि रेलवे से लेकर राजमार्गों, बंदरगाहों से लेकर हवाई अड्डों तक, भारत का तेजी से फैल रहा बुनियादी ढांचा नेटवर्क 'जीवन को आसान' बना रहा है और समृद्धि को बढ़ा रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी सरकार के 10 जून को अपने तीसरे कार्यकाल का एक वर्ष, यानी कुल 11 वर्ष पूरे करने के अवसर पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री ने बुनियादी ढांचे में भारत की उत्कृष्ट प्रगति पर जोर दिया - रेलवे, राजमार्गों, बंदरगाहों और हवाई अड्डों तक - जिससे बेहतर कनेक्टिविटी, आर्थिक विस्तार और नागरिकों के लिए जीवन को आसान बनाने और समृद्धि में वृद्धि हुई है।

मोदी ने लिखा, ये बुनियादी ढांचागत विकास के 11 वर्ष रहे हैं, जिसमें उत्कृष्ट बुनियादी ढांचे को खड़ा किया गया है जिसने भारत के विकास प्रक्षेपवक्र को बढ़ाया है। रेलवे से लेकर राजमार्गों, बंदरगाहों से लेकर हवाई अड्डों तक, भारत का तेजी से फैल रहा इंफ्रा नेटवर्क 'जीवन को आसान बनाने' और समृद्धि को बढ़ाने में मदद कर रहा है। उन्होंने लिखा, अगली पीढ़ी के बुनियादी ढांचे के लिए भारत का प्रयास स्थिरता और दीर्घकालिक दृष्टि से प्रेरित है। यह आत्मनिर्भर भारत की नींव रख रहा है।

भारत और ब्रिटेन ने किया नौसैन्य अभ्यास

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय नौसेना की इकाइयों और ब्रिटेन की रॉयल नेवी के 'कैरियर स्ट्राइक ग्रुप' ने उत्तरी अरब सागर में 'पैसेज' अभ्यास (पासेक्स) में हिस्सा लिया जो समुद्री सुरक्षा और मजबूत द्विपक्षीय संबंधों के प्रति साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है। आधिकारिक प्रवक्ता ने बुधवार को यह जानकारी दी। भारतीय नौसेना के प्रवक्ता ने बताया कि यह अभ्यास नौ और 10 जून को आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि इस अभ्यास में भारतीय नौसेना के स्टेल्थ फ्रिगेट 'आईएनएस तबर', पनडुब्बी और पी8आई विमान ने भाग लिया। प्रवक्ता ने कहा, ''यह अभ्यास 'यूके कैरियर स्ट्राइक ग्रुप' के साथ आयोजित किया गया, जिसमें 'एचएमएस प्रिंस ऑफ वेल्स' और 'एचएमएस रिचमंड' पोत शामिल थे।''

भारत ने 11 साल में पार किए कई मील के पत्थर : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सभी वर्गों के विभिन्न क्षेत्रों में पिछले 11 वर्षों में हासिल किए गए विकासात्मक मील के पत्थरों की एक श्रृंखला का प्रदर्शन किया।

भाजपा की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम में केंद्रीय सूचना प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार की उपलब्धियों के बारे में मीडिया के सामने एक घंटे तक प्रस्तुति दी। इस बात पर जोर देते हुए कि 2014 में मोदी सरकार के सत्ता संभालने से पहले ऐसी प्रगति कभी नहीं देखी गई थी।

इस कार्यक्रम में पार्टी कार्यकर्ताओं के अलावा भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा, केंद्रीय मंत्री अमित शाह, राजनाथ सिंह, निर्मला सीतारमण और नितिन गडकरी, भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनिल बलूनी एवं राष्ट्रीय मीडिया सह प्रभारी संजय मयूख सहित विभिन्न प्रवक्ताओं ने भाग लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वैष्णव ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में सरकार ने न केवल आर्थिक परिवर्तन की दिशा में काम किया है, बल्कि नागरिकों के जीवन स्तर को बढ़ाने के लिए लाखों लोगों के सशक्तिकरण के लिए भी काम किया है और देश की सुरक्षा में सुधार किया है। सड़क और रेलवे नेटवर्क का विस्तार किया है, साथ ही पूर्ण विद्युतीकरण किया है, जो सबसे दूरदराज के क्षेत्रों तक आसान पहुंच स्थापित किया है।

ज्योति मल्होत्रा की जमानत याचिका खारिज

हिसार/भाषा। हरियाणा के हिसार जिले की एक अदालत ने यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा की जमानत याचिका बुधवार को खारिज कर दी। ज्योति को जासूसी के संदेह में पिछले महीने गिरफ्तार किया गया था। ज्योति के अधिवक्ता ने इसकी जानकारी दी । न्यायिक मजिस्ट्रेट (प्रथम श्रेणी) सुनील कुमार ने ज्योति के अधिवक्ता कुमार मुकेश के माध्यम से दायर आरोपी की जमानत याचिका पर सुनवाई की । पुलिस ने जमानत याचिका का विरोध किया और दलील दी कि मामले की जांच चल रही है। मुकेश ने कहा कि अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद ज्योति की जमानत याचिका खारिज कर दी। अदालत ने नौ जून को ज्योति की न्यायिक हिरासत अवधि बढ़ा दी थी और अदालत अब उसके मामले की सुनवाई 23 जून को करेगी। ज्योति (33) वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए अदालत में पेश हुईं।

आरसीबी के विपणन प्रमुख की जमानत याचिका पर आदेश सुरक्षित

■ आज फैसला सुनाएगी अदालत

बेंगलूरु/दक्षिण भारत राष्ट्रमत। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने यहां एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास हुई भगदड़ से जुड़े मामले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) के विपणन प्रमुख निखिल सोसले की अंतरिम जमानत याचिका पर बुधवार को आदेश सुरक्षित रख लिया। इस भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई थी। अदालत ने कहा कि 12 जून को अपराह्न 2.30 बजे आदेश सुनाया जाएगा। सोसले को छह जून को केंद्रीय अपराध शाखा ने बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उस वक्त गिरफ्तार किया, जब वह दुबई जाने की तैयारी में थे। उन्होंने अपनी याचिका में छह जून की सुबह अपनी गिरफ़्तारी की वैधता पर सवाल उठाया था। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस की कार्रवाई राजनीतिक निर्देशों से प्रभावित है। महाधिवक्ता शशि किरण शेट्टी ने अपनी दलील में दावा किया कि चार जून को सुबह करीब 7.04 बजे रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के करीब 28 लाख फॉलोअर्स वाले सोशल मीडिया हैंडल से विधान सौध और स्टेडियम में विजय परेड के बारे में पोस्ट किया गया। शेट्टी ने कहा कि ऐसा बिना अनुमति के किया गया। उन्होंने यह भी कहा कि सोसले का देश से भागने का इरादा था, क्योंकि उन्होंने अगले दिन सुबह जल्दी उड़ान भरने के लिए पांच जून को रात 10.56 बजे दुबई के लिए हवाई टिकट खरीदे थे।

भारत में मतदाता सूची तैयार करना दुनिया के सबसे कठिन और पारदर्शी कार्यों में से एक : सीईसी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दिल्ली/भाषा। मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने मतदाता सूचियों में गड़बड़ी के आरोपों के बीच कहा है कि भारत में मतदाता सूची तैयार करना दुनिया के सबसे कठिन और पारदर्शी कार्यों में से एक है।

कुमार ने मंगलवार को चुनावी शुचिता पर आयोजित स्टॉकहोम अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में यह भी कहा कि मतदाता सूची हर साल संशोधन के दौरान और चुनाव से पहले कानून के अनुसार मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय और राज्य दलों के साथ साझा की जाती है।

सीईसी ने कहा कि 1960 से दावों, आपत्तियों और अपीलों के प्रावधान के साथ नामावली मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के साथ साझा की गई है।

उनकी यह टिप्पणी कांग्रेस सहित कई विपक्षी दलों द्वारा चुनावों में धांधली के लिए मतदाताओं के आंकड़ों में हेराफेरी का आरोप लगाए जाने के बाद आई है।

निर्वाचन आयोग ने इन आरोपों को बेतुका करार दिया है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुमार ने कहा कि मतदाता सूची की तैयारी दुनिया की सबसे कठिन और पारदर्शी गतिविधियों में से एक है, जो चुनावी प्रक्रिया के सटीक होने और इसकी शुचिता को मजबूत करती है।

निर्वाचन आयोग के अनुसार, सीईसी ने कहा कि इस मजबूत तंत्र ने वर्षों से देश भर में चुनावी विश्वसनीयता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

सम्मेलन में लगभग 50 देशों के चुनाव प्रबंधन निकायों का प्रतिनिधित्व करने वाले 100 से अधिक प्रतिभागी भाग ले रहे हैं।

कुमार ने इस बात का उल्लेख किया कि पूरी चुनावी प्रक्रिया पर राजनीतिक दलों, उम्मीदवारों, पुलिस, व्यय पर्यवेक्षकों और मीडिया द्वारा बारीकी से नजर रखी जाती है।

निगरानी का दायरा बढ़ाने की जरूरत : एयर मार्शल दीक्षित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सीमा तक पहुंचने से पहले ही संभावित खतरों का पता लगाने के लिए 'हमारे निगरानी दायरे का विस्तार' करने की आवश्यकता है। एक शीर्ष सैन्य अधिकारी ने बुधवार को यहां यह बात कही।

सुब्रतो पार्क में आयोजित एक कार्यक्रम में अपने संबोधन में चीफ आफ इंटीग्रेटिड डिफेंस स्टाफ (सीआईएससी), एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने यह दिखाया है कि स्वदेशी नवाचार को अगर उचित तरीके से उपयोग में लाया जाए तो ये अंतरराष्ट्रीय मानदंडों की बराबरी कर सकता है और उनसे आगे भी निकल सकता है। उन्होंने कहा कि निगरानी और ईओ (इलेक्ट्रो-ऑप्टिक्स) प्रणाली का क्षेत्र विकसित हो चुका है जो बल बढ़ाने वाला है और अब यह धीरे-धीरे एक आधार बन रहा है जिस पर आधुनिक सैन्य अभियान चलाए जा सकेंगे।

एयर मार्शल दीक्षित ने कहा, ''मैंने अपने पूरे करियर में इस परिवर्तन को प्रत्यक्ष रूप से देखा है और आज हम एक क्रांति के मुहाने पर खड़े हैं, जो यह परिभाषित करेगी कि 21वीं सदी में हम शक्ति को कैसे समझते हैं, उसका उपयोग कैसे करते हैं और उसे कैसे पेश करते हैं।'' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हाल के महीनों में इसके पुख्ता सबूत सामने आए हैं।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

तू तू-मैं मैं

वो कुछ बोले तुम कुछ बोलो,
फिर कुछ-कुछ सारे बोलें।
इक दूजे के मतभेदों को,
भेद-भेद करके खोलें।
दिखलाते वे बजा-बजा कर,
सारे ढोलों में पोलें।
अपनी-अपनी स्वार्थ तुला पर,
सब अपने सपने तोलें।।

अमेरिका को चीन से मिलेंगे दुर्लभ खनिज, चीनी उत्पादों पर 55 प्रतिशत शुल्क : ट्रंप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन/एपी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को घोषणा की कि नए व्यापार समझौते के तहत अमेरिका को चीन से दुर्लभ खनिज चुंबक (मैग्नेट) एवं अन्य दुर्लभ खनिज मिलेंगे जबकि चीनी वस्तुओं पर सीमा शुल्क 55 प्रतिशत तक बढ़ जाएगा।

ट्रंप ने कहा कि इसके बदले में अमेरिका भी चीन को वह सब प्रदान करेगा जिस पर सहमति बनी है। इसमें चीनी छात्रों को अमेरिकी कॉलेजों एवं विश्वविद्यालयों में जाने की अनुमति देना भी शामिल है।

दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं अमेरिका और चीन ने एक दिन पहले ही लंदन में व्यापार वार्ता को पटरी पर लाने के लिए एक रूपरेखा पर सहमति जताई। यह दो-दिवसीय बैठक खनिज और प्रौद्योगिकी निर्यात से जुड़े विवादों के समाधान पर केंद्रित थी।

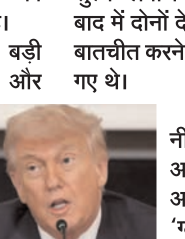

अप्रैल में ट्रंप द्वारा चीनी आयात पर उच्च शुल्क लगाने की घोषणा के बाद चीन ने भी जवाबी शुल्क लगा दिया था। हालांकि, बाद में दोनों देश इस पर व्यापक बातचीत करने के लिए सहमत हो गए थे।

इस बीच, नीदरलैंड स्थित अंतरराष्ट्रीय अधिकार समूह 'ग्लोबल राइट्स कंप्लायंस' ने एक रिपोर्ट जारी कर चिंता जताई है कि कई वैश्विक ब्रांड अपनी चीनी आपूर्ति शृंखलाओं के माध्यम से जबरन श्रम का उपयोग करने के जोखिम में हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, एवन, वॉलमार्ट, नेस्कैफे, कोका-कोला और पेंट आपूर्तिकर्ता शेरविन-विलियम्स जैसी कंपनियां चीन के सुदूर-पश्चिमी क्षेत्र झिंजियांग से प्राप्त खनिजों, विशेष रूप से टाइटेनियम से संबंधित हो सकती हैं।

अधिकार समूहों का आरोप है कि चीनी सरकार झिंजियांग में मुख्य रूप से मुस्लिम समुदाय उइगर और अन्य तुर्क अल्पसंख्यकों को निशाना बनाकर जबरन श्रम प्रथाएं चला रही है।

इस रिपोर्ट में झिंजियांग में टाइटेनियम, लिथियम, बेरिलियम और मैग्नीशियम उद्योगों में 77 चीनी आपूर्तिकर्ताओं का उल्लेख है।

अब सिर्फ आधार प्रमाणित उपयोगकर्ता ही 'तत्काल' टिकट बुक कर सकेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रेल मंत्रालय ने कहा है कि एक जुलाई 2025 से 'तत्काल' योजना के तहत वह उपयोगकर्ता ही टिकट बुक कर सकेंगे जिन्होंने आधार के जरिये सत्यापन कराया हो।

मंत्रालय ने 10 जून 2025 के एक परिपत्र में सभी जोन को सूचित किया कि यह निर्णय यह सुनिश्चित करने के लिए लिया गया है कि 'तत्काल' योजना का लाभ आम उपयोगकर्ताओं को मिले।

मंत्रालय ने कहा, 01 जुलाई 2025 से 'तत्काल' योजना के तहत टिकट भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) की वेबसाइट/इसके ऐप के माध्यम से केवल वह उपयोगकर्ता ही बुक कर सकेंगे, जिन्होंने आधार के जरिये सत्यापन कराया हो। इसके बाद, 15 जुलाई 2025 से 'तत्काल' बुकिंग के लिए आधार-आधारित ओटीपी प्रमाणीकरण भी अनिवार्य कर दिया जाएगा।

परिपत्र में कहा गया है, 'तत्काल' टिकट भारतीय रेलवे के कम्प्यूटरीकृत पीआरएस (यात्री आरक्षण प्रणाली) काउंटरों/अधिकृत एजेंटों के माध्यम से बुकिंग के लिए तभी उपलब्ध होंगे, जब सिस्टम द्वारा उत्पन्न ओटीपी का सत्यापन होगा, जो बुकिंग के समय उपयोगकर्ताओं द्वारा दिए गए मोबाइल नंबर पर भेजा जाएगा। इसे भी 15 जुलाई 2025 तक लागू कर दिया जाएगा।

परिपत्र में यह भी कहा गया है कि भारतीय रेलवे के अधिकृत टिकटिंग एजेंट को 'तत्काल' बुकिंग की खिड़की खुलने के पहले 30 मिनट के दौरान ओपनिंग डे तत्काल टिकट बुक करने की अनुमति नहीं होगी। खास तौर पर, उन्हें सुबह 10 बजे से 10.30 बजे तक वातानुकूलित श्रेणियों के लिए और सुबह 11 बजे से 11.30 बजे तक गैर-वातानुकूलित श्रेणियों के लिए 'तत्काल' टिकट बुक करने से प्रतिबंधित किया जाएगा।

अमरनाथ यात्रा के लिए सुरक्षा के कड़े इंतज़ाम किए गए हैः उपराज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बुधवार को कहा कि आगामी वार्षिक अमरनाथ यात्रा के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतज़ाम किए गए हैं। सिन्हा ने श्रद्धालुओं से बड़ी संख्या में पवित्र गुफा में बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए आने की अपील की।

सिन्हा ने पवित्र गुफा में 'प्रथम पूजा' कर इस वर्ष की वार्षिक अमरनाथ यात्रा की औपचारिक शुरुआत की। सिन्हा ने कहा, प्रथम पूजा संपन्न हो गई। मैं श्रद्धालुओं से अनुरोध करता हूं कि वे बड़ी संख्या में यात्रा के लिए आएं। यह यात्रा तीन जुलाई से शुरू होगी और नौ अगस्त को रक्षा बंधन के दिन समाप्त होगी। उन्होंने कहा कि श्राइन बोर्ड और प्रशासन ने इस वर्ष तीर्थयात्रियों के लिए सुविधाओं में सुधार किया है। सिन्हा ने कहा, जम्मू कश्मीर पुलिस, सेना, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल(सीआरपीएफ) और अन्य केंद्रीय अर्धसैनिक बलों (सीएपीएफ) ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। इसलिए मुझे लगता है कि किसी को कुछ भी सोचने की जरूरत नहीं है, उन्हें आना चाहिए और बाबा का आशीर्वाद लेना चाहिए। उपराज्यपाल ने बाद में सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, हर हर महादेव! मैंने बाबा बर्फानी को नमन किया और पवित्र गुफा में 'प्रथम पूजा' की, जिसके साथ वार्षिक श्री अमरनाथ जी यात्रा की औपचारिक शुरुआत हुई। बाबा अमरनाथ जी हम सभी पर अपना दिव्य आशीर्वाद बनाए रखें। उन्होंनें कहा कि जम्मू कश्मीर प्रशासन, श्री अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड, सेना, सीमा सड़क संगठन (बीआरओ), केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ), जम्मू कश्मीर पुलिस और सभी हितधारक पूरी निष्ठा, समर्पण, आपसी सहयोग और स्पष्ट उद्देश्यों के साथ कार्य कर रहे हैं, ताकि श्रद्धालुओं की यात्रा निर्बाध, सुरक्षित और सुगम रहे। उन्होंने कहा, जम्मू कश्मीर की जनता, नागरिक समाज और सभी

सेवा प्रदाताओं का अमूल्य योगदान हमेशा से अत्यंत सराहनीय रहा है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि इस वर्ष सुविधाओं और सेवाओं में किए गए महत्वपूर्ण सुधारों से यह यात्रा सभी श्रद्धालुओं के लिए यादगार और आध्यात्मिक रूप से अत्यंत संतोषजनक सिद्ध होगी। इससे पहले सिन्हा ने तीर्थयात्रा के बालटाल मार्ग पर यात्रा कार्यों का निरीक्षण किया। एक आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि सिन्हा ने कश्मीर के गांदरबल जिले के बालटाल स्थित श्री अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड के आपदा प्रबंधन एवं यात्री निवास परिसर में जारी कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। सिन्हा ने अधिकारियों को 38 दिवसीय यात्रा के दौरान तीर्थयात्रियों के लिए सुविधाएं बढ़ाने के लिए विकसित की जा रही बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को समय पर पूरा करने का निर्देश दिया। अमरनाथ यात्रा तीन जुलाई को दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले के दो स्थलों बालटाल और पहलगाम से शुरू होगी।

अमरनाथ यात्रा : कठुआ में श्रद्धालुओं के लिए 36 निवास केंद्र बनाए गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। वार्षिक अमरनाथ यात्रा में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में करीब तीन दर्जन निवास केंद्र और छह रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन (आरएफआईडी) पंजीकरण काउंटर स्थापित किये जा रहे हैं। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

इस वर्ष 38 दिनों तक चलने वाली वार्षिक यात्रा तीन जुलाई को दो मार्गों – अनंतनाग जिले में 48 किलोमीटर लंबे पारंपरिक पहलगाम मार्ग और गांदरबल जिले में 14 किलोमीटर लंबे छोटे लेकिन अधिक खड़ी चढ़ाई वाले बालटाल मार्ग- से शुरू होगी।

कठुआ के जिला उपायुक्त राकेश मिन्हास ने बताया, ''हमारा लक्ष्य लखनपुर को बहु-सुविधा केन्द्र में तब्दील करना है। हमने यात्रियों की सेवा के लिए 36 ठहरने के केन्द्र, छह आरएफआईडी पंजीकरण काउंटर, पर्याप्त संख्या में स्वच्छ शौचालय और मनोरंजन क्षेत्र स्थापित किए हैं।''

मिन्हास ने मंगलवार को अमरनाथ यात्रा की तैयारियों का जायजा लेने और उन्हें अंतिम रूप देने के लिए लखनपुर गलियारे का व्यापक निरीक्षण किया था। उन्होंने बताया कि अब तक 3.50 लाख से अधिक तीर्थयात्रियों ने अमरनाथ यात्रा के लिए अपना पंजीकरण कराया है और देश भर से हजारों तीर्थयात्रियों के प्रतिदिन लखनपुर पहुंचने की उम्मीद है।

इस बीच उधमपुर जिले में सुचारु यात्रा संपन्न कराने और सुरक्षा तैयारियों का जायजा लेने के लिए उच्च स्तरीय बैठक की गई।

एक पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि बैठक की अध्यक्षता उधमपुर जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अमोद अशोक नागपुरे ने की। इस दौरान सुरक्षा, खुफिया जानकारी साझा करने, यातायात व्यवस्था, चिकित्सा सहायता, आपात सेवा और सामरिक जरूरतों पर विस्तृत चर्चा की गई।

अजीत डोभाल ने फडणवीस से की मुलाकात

मुंबई/भाषा। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने यहां महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की।

फडणवीस ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर बताया कि एनएसए डोभाल से उनकी मुलाकात मंगलवार शाम को मुंबई में हुई। उन्होंने एक पोस्ट में कहा, '' कल शाम मुंबई में अपने आधिकारिक आवास पर एनएसए अजीत डोभाल का स्वागत करके बहुत अच्छा लगा।''

सोनम के भाई ने कहा, ''परिवार ने सोनम से रिश्ते तोड़े, दोषी पाए जाने पर उसे फांसी की सजा मिले''

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। राजा रघुवंशी हत्याकांड की प्रमुख आरोपी और उनकी पत्नी सोनम के भाई गोविंद रघुवंशी ने बुधवार को कहा कि वह मृतक के परिवार के साथ हैं और अगर उनकी बहन इस मामले में दोषी पाई जाती है, तो उसे फांसी की सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने यह घोषणा भी की कि उनके परिवार ने सोनम से सारे संबंध तोड़ लिए हैं और उसे सजा दिलाने के लिए राजा रघुवंशी के परिवार की ओर से वह खुद कानूनी लड़ाई लड़ेंगे। अचानक राजा रघुवंशी के इंदौर स्थित घर पहुंचे गोविंद, राजा की मां उमा से लिपटकर फूट-फूट कर रोए। यह पूछे जाने पर कि क्या दोषी पाए जाने पर सोनम को फांसी की सजा होनी चाहिए, गोविंद ने संवाददाताओं से कहा,''बिल्कुल, अगर सोनम दोषी पाई जाती है, तो उसे सीधे फांसी की सजा मिलनी चाहिए। मैं खुदअदालत में राजा रघुवंशी के परिवार की ओर से पैरवी के लिए वकील नियुक्त करूंगा। मैं सच के साथ हूं। राजा रघुवंशी के परिवार ने एक बेटा खोया है। मैंने परिवार से माफी मांग ली है। हमारे परिवार ने सोनम से रिश्ता तोड़ दिया है।''

छत्तीसगढ़ के सुकमा में मुठभेड़, एक नक्सली कमांडर समेत दो नक्सली ढेर

सुकमा/भाषा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में बुधवार को सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में दो नक्सली मारे गए। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के कुकानार थाना क्षेत्र के अंतर्गत पुसगुन्ना गांव के करीब जंगल में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में एक महिला नक्सली समेत दो नक्सलियों को मार गिराया है। उन्होंने बताया कि मारे गए नक्सलियों में से एक की पहचान पेदारास एलओएस (लोकल ऑर्गनाइजेशन स्क्वाड) कमांडर बमन के रूप में हुई है। बमन के ऊपर पांच लाख रुपए का इनाम है। कुकानार क्षेत्र में नक्सली गतिविधि की खुफिया सूचना के आधार पर कुकानार थाने के पुलिसकर्मी और सुकमा जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) के संयुक्त दल को नक्सल विरोधी अभियान में रवाना किया गया था। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान बुधवार अपराह्न लगभग दो बजे से सुरक्षाबलों और माओवादियों के बीच कई बार मुठभेड़ हुई। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षाबलों ने घटनास्थल से एक महिला नक्सली समेत दो नक्सलियों के शव के अलावा एक इंसास राइफल, 12 बोर की एक राइफल, अन्य हथियार, गोला बारूद और विस्फोटक सामान बरामद किया है।

अदाणी ने चिनाब पर बने सबसे ऊंचे रेल पुल के लिए 65,000 टन सीमेंट की आपूर्ति की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अदाणी समूह ने मंगलवार को कहा कि उसकी सीमेंट कंपनियों ने जम्मू-कश्मीर के चिनाब नदी पर बने दुनिया के सबसे ऊंचे मेहराब रेल पुल के निर्माण में सीमेंट की प्रमुख आपूर्तिकर्ता रही है। अदाणी की सीमेंट कंपनियों ने कुल 65,000 टन सीमेंट की आपूर्ति की है। पुल के लिए आपूर्ति किया गयो सीमेंट 'आर्डिनरी पोर्टलैंड सीमेंट' (ओपीसी) 43 ग्रेड का था। यह अपनी उच्च शक्ति, स्थायित्व और बेहतर गुणवत्ता के लिए जाना जाता है। इस कारण इसे बड़े पैमाने के बुनियादी ढांचे के लिए आदर्श माना जाता है।

समूह ने कहा कि अदाणी सीमेंट ने चिनाब पुल के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अदाणी सीमेंट में अम्बुजा सीमेंट्स और एसीसी शामिल हैं। अदाणी समूह के सीमेंट कारोबार के सीईओ विनोद बहेटी ने कहा, ''हमारे लिए एक ऐसी परियोजना का हिस्सा बनना बहुत गर्व की बात है जो न केवल इंजीनियरिंग सीमाओं को फिर से परिभाषित करती है बल्कि राष्ट्रीय एकीकरण में भी योगदान देती है।''

'महायुति स्थानीय निकाय चुनाव गठबंधन से मिलकर लड़ेगी'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अकोला (महाराष्ट्र)/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत महायुति गठबंधन राज्य में आगामी स्थानीय निकाय चुनाव मिलकर लड़ेगा, लेकिन जहां गठबंधन नहीं हो पाया, वहां दोस्ताना मुकाबला होगा।

सिंचाई और बिजली उत्पादन परियोजनाओं का शुभारंभ करने के बाद फडणवीस यहां पत्रकारों से बात कर रहे थे। मुंबई के बृहन्मुंबई नगर निगम सहित विभिन्न नगर निगमों और अन्य स्थानीय निकायों के चुनाव पिछले तीन वर्षों से लंबित हैं।

फडणवीस ने कहा कि भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष, कार्यकारी अध्यक्ष और पार्टी की चुनाव समिति स्थानीय निकाय चुनावों से संबंधित निर्णय लेने के लिए अधिकृत हैं। उन्होंने कहा, ''हमने गठबंधन के रूप में चुनाव लड़ने का निर्णय लिया है और जहां भी गठबंधन कारगर नहीं होगा, वहां दोस्ताना मुकाबला होगा।'' अजित

पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना गठबंधन के दो अन्य पार्टियां हैं।

प्रहार जनशक्ति पार्टी के नेता बच्चू कड़ू की भूख हड़ताल के बारे में पूछे जाने पर फडणवीस ने कहा कि जिला संरक्षक मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले उनसे बात करेंगे। किसानों से जुड़ी मांगों को लेकर कड़ू चार दिनों से भूख हड़ताल पर हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत का पक्ष रखने के लिए विदेशों में गए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों के साथ बैठक के दौरान पवार की बेटी व सांसद सुप्रिया सुले से मिले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शरद पवार के स्वास्थ्य के बारे में पूछे जाने पर फडणवीस ने कहा, ''राजनीति में मानवता और संवेदनशीलता होती है। हम वैचारिक रूप से विरोधी हैं, दुश्मन नहीं।''

योग दिवस पोर्टल पर पंजीकरण की संख्या 50,000 के पार

नई दिल्ली/भाषा। देशभर से 50,000 से अधिक संगठनों ने 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह के आयोजन के लिए पंजीकरण कराया है, जिससे सामूहिक भागीदारी के लिए एक नया मानक स्थापित हुआ है।

राजस्थान इसमें अग्रणी रहा है, जहां 11,000 से अधिक संगठनों ने योग संगम 2025 के लिए पंजीकरण कराया है, जिसका आयोजन 21 जून को प्रातः 6.30 बजे से 7.45 बजे तक किया जाएगा।

आयुष मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि इस उल्लेखनीय भागीदारी के बाद तेलंगाना में 7,000 से अधिक पंजीकरण और मध्यप्रदेश में करीब 5,000 पंजीकरण हुए हैं। इस वर्ष की थीम 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' एकता और कल्याण के लिए एक सार्वभौमिक आह्वान को प्रतिध्वनित करती है।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) और केंद्रीय विश्वविद्यालयों जैसे प्रमुख संस्थानों के साथ-साथ कई कॉरपोरेट और निजी कंपनियां सक्रिय रूप से पंजीकरण करा रही हैं तथा वैश्विक कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित कर रही हैं।

यशवंतपुर से योग नगरी ऋषिकेश के बीच विशेष ट्रेनें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बढ़ती यात्री मांग को देखते हुए और आगामी सीजन के दौरान सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के लिए, रेलवे बोर्ड ने ट्रेन संख्या 06597/06598 यशवंतपुर-योग नगरी ऋषिकेश-यशवंतपुर एक्सप्रेस स्पेशल के संचालन को मंजूरी दे दी है। इस पहल का उद्देश्य अतिरिक्त भीड़ को कम करना और दक्षिण और उत्तर भारत के बीच लंबी दूरी की कनेक्टिविटी को बढ़ाना है। ट्रेन संख्या 06597 यशवंतपुर-योग नगरी ऋषिकेश एक्सप्रेस स्पेशल 19 व 26 जून और 03जुलाई को गुरुवार को 07:00 बजे यशवंतपुर से रवाना होगी और शनिवार को 10:20 बजे योग नगरी ऋषिकेश पहुंचेगी।

वापसी दिशा में, ट्रेन संख्या 06598 योग नगरी ऋषिकेश-यशवंतपुर एक्सप्रेस स्पेशल शनिवार 21 व 28 जून और 5 जून को योग नगरी ऋषिकेश से 17:55 बजे प्रस्थान करेगी और सोमवार को 19:45 बजे यशवन्तपुर पहुंचेगी। रास्ते में, ट्रेन दोनों दिशाओं में येलहंका, हिंदूपुर, धर्मावरम, अनंतपुर, धोने, कुरनूल सिटी, काचीगुडा, काजीपेट, बल्हारशाह, नागपुर, भोपाल, बीना, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी रेलवे स्टेशन, ग्वालियर, आगरा कैंट, मथुरा, हज़रत निज़ामुद्दीन, गाजियाबाद, मेरठ सिटी, मुज़फ़्फ़रनगर, टपरी, रुड़की और हरिद्वार जंक्शन पर रुकेगी। इन विशेष ट्रेनों में 18 कोच होंगे, जिनमें शामिल हैं: 1 एसी फर्स्ट कम एसी टू टियर कोच, 1 एसी टू टियर कोच, 3 एसी थ्री टियर कोच, 7 स्लीपर क्लास कोच, 4 जनरल सेकंड क्लास कोच और 2 एसएलआर/डी कोच होंगे।

दिल्ली सरकार 'वाटर एटीएम' के जरिए स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराएगीः प्रवेश वर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। जल मंत्री प्रवेश वर्मा ने बुधवार को कहा कि दिल्ली सरकार का लक्ष्य शहर भर के विद्यालयों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर 'वाटर एटीएम' लगाकर लोगों को ठंडा व स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना है।

वर्मा ने दरियागंज के सर्वोदय कन्या विद्यालय में ऐसे ही एक 'वाटर एटीएम' के उद्घाटन के अवसर पर कहा कि यह अभियान सीधे तौर पर गर्मी से जुड़ी चुनौतियों से निपटने से जुड़ा है। वर्मा ने कहा, दिल्ली में कोई भी प्यासा नहीं रहना चाहिए, खासकर भीषण गर्मी में। अधिकारियों के अनुसार, 'वाटर एटीएम' पानी साफ करने की उन्नत प्रणाली व तापमान नियंत्रण सुविधाओं से लैस हैं और इन्हें अधिक गर्मी वाले महीनों के दौरान अधिक उपयोग के लिए तैयार किया गया है। उन्होंने बताया कि ये वाटर एटीएम ऊर्जा-कुशल हैं और इनके रखरखाव की भी बहुत कम आवश्यकता होती है। मंत्री ने पंडारा रोड क्षेत्र के एक अन्य सरकारी स्कूल में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण भी किया। वर्मा ने कहा, दिल्ली सरकार की यह पहल पर्यावरण और मातृत्व दोनों के लिए एक श्रद्धांजलि है। मैं सभी दिल्लीवासियों से अपील करता हूं कि वे अपनी मां के नाम पर एक पेड़ लगाएं, चाहे वह पास के पार्क में हो या अपने घर के बाहर। उन्होंने कहा कि हमने मात्र 100 दिनों में ही पिछली सरकार द्वारा 10 वर्षों में किए गए कार्यों से कहीं अधिक कार्य कर दिखाया है। जल मंत्री ने यह भी कहा कि पिछले वर्षों की तुलना में इस वर्ष पानी की मांग बढ़ी है लेकिन अधिकारी निरंतर निगरानी कर रहे हैं ताकि कहीं भी पानी की कमी न हो।

महिला 'केयरटेकर' ने सेवानिवृत्त प्रोफेसर को वृद्धाश्रम भेजा, फ्लैट सहित छह करोड़ की संपत्ति हड़पी

मुंबई/भाषा। मुंबई पुलिस ने 82 वर्षीय एक सेवानिवृत्त आईआईटी प्रोफेसर की सभी संपत्ति को अपने नाम करवाकर उन्हें वृद्धाश्रम भेजने के आरोप एक महिला के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि महिला ने प्रोफेसर की देखभाल करने की आड़ में उनके तीन फ्लैट समेत पूरी संपत्ति अपने नाम कर ली। उन्होंने बताया कि इन फ्लैटों सहित अन्य संपत्तियों की कुल कीमत छह करोड़ रुपए है।

पवई थाने के एक अधिकारी ने बताया, घटना उस समय सामने आई जब भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) के सेवानिवृत्त प्रोफेसर का बेटा पिछले महीने अपने पिता से मिलने मुंबई आया लेकिन उसने पाया कि उसके पिता घर पर नहीं हैं। उन्होंने बताया, जब बेटे को पता चला कि उसके पिता को फरवरी 2025 में देखभाल करने वाली महिला ने विक्रोली के वृद्धाश्रम में भेज दिया है, तो वह वहां गया और उनसे मिला। घटनाक्रम जानने के बाद वह अपने पिता को वापस पवई स्थित फ्लैट पर ले गया और पुलिस से संपर्क किया। उन्होंने बताया कि सेवानिवृत्त प्रोफेसर की शिकायत के आधार पर आठ जून को देखभाल करने वाली महिला निकिता नाइक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत धोखाधड़ी और जालसाजी का मामला दर्ज किया गया।

सेबी ने पंजीकृत मध्यस्थों के लिए नई यूपीआई भुगतान व्यवस्था को अनिवार्य बनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। बाजार नियामक सेबी ने बुधवार को कहा कि उसने प्रतिभूति बाजार के भीतर वित्तीय लेनदेन की सुरक्षा और पहुंच में सुधार के लिए निवेशकों से धन एकत्र करने वाले सभी पंजीकृत मध्यस्थों के लिए एक नई यूपीआई भुगतान व्यवस्था को अनिवार्य कर दिया है।

पंजीकृत मध्यस्थों में शेयर ब्रोकर, मर्चेंट बैंकर, डिपॉजिटरी, निवेश सलाहकार और पोर्टफोलियो प्रबंधक शामिल हैं। ये मध्यस्थ वित्तीय बाजारों में निवेशकों और विभिन्न इकाइयों के बीच कड़ी की तरह काम करते हैं।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के प्रमुख तुहिन कांत पांडेय ने यहां संवाददाताओं को बताया कि यह एकीकृत भुगतान

प्रणाली (यूपीआई) भुगतान व्यवस्था एक अक्टूबर, 2025 से सक्रिय हो जाएगी।

हाल के वर्षों में कई गैर-पंजीकृत संस्थाओं ने धोखाधड़ी के जरिये निवेशकों को गुमराह किया है। इन्हीं को ध्यान में रखते हुए सेबी ने यह कदम उठाया है।

फर्जी तरीके से पहचान के इस्तेमाल की समस्या से बचने और निवेशकों का विश्वास बढ़ाने के लिए बाजार नियामक ने निवेशकों से धन एकत्र करने वाले सभी पंजीकृत बिचौलियों के लिए एक नए यूपीआई पता संरचना को अनिवार्य कर दिया है।

पांडेय ने कहा, ''यह अभिनव तंत्र सत्यापित और सुरक्षित भुगतान माध्यम देकर प्रतिभूति बाजार के भीतर वित्तीय लेनदेन की सुरक्षा और पहुंच में महत्वपूर्ण रूप से सुधार करने के लिए तैयार है।''

निवेशकों को सशक्त बनाने के लिए बाजार नियामक 'सेबी चेक' नाम की एक नई क्षमता विकसित कर रहा है। यह नया साधन क्यूआर कोड स्कैन कर या यूपीआई आईडी दर्ज करके और पंजीकृत मध्यस्थ के खाता नंबर एवं आईएफएससी कोड जैसे बैंक विवरणों की पुष्टि करके यूपीआई पहचान की प्रामाणिकता को सत्यापित करने में सक्षम करेगा।

सेबी ने जनवरी में इस संबंध में एक परामर्श पत्र जारी किया था। उस पर आए सुझावों को ध्यान में रखते हुए यह व्यवस्था की गई है।

जगन ने तंबाकू उत्पादक किसानों की उपेक्षा के लिए आंध्र सरकार की आलोचना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रकाशम (आंध्र प्रदेश)/भाषा। युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) प्रमुख वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने बुधवार को तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार पर तंबाकू उत्पादक किसानों की उपेक्षा करने का आरोप लगाया और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) सुनिश्चित करने के लिए एपी मार्कफेड के माध्यम से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की।

जिले के पोडिली में पत्रकारों से बात करते हुए रेड्डी ने कहा कि कीमतें 360 रुपए से कथित तौर पर गिरकर 240 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई हैं, जिसके कारण सरकारी मदद की कमी से कुछ स्थानों पर किसान आत्महत्या कर रहे हैं। इस बीच, रेड्डी की पोडिली यात्रा के दौरान उस समय तनाव व्याप्त हो गया, जब एक स्थानीय समाचार चैनल पर कथित तौर पर अमरावती की महिलाओं का अपमान करने वाली उनकी टिप्पणी प्रसारित होने से नाराज कुछ प्रदर्शनकारी महिलाओं ने उनसे माफी मांगने की मांग की।

वाईएसआरसीपी के एक सूत्र ने बताया कि क्षेत्र से गुजर रहे रेड्डी के

काफिले पर अज्ञात व्यक्तियों द्वारा चप्पल फेंकी गई। इस बीच रेड्डी ने पत्रकारों से कहा, ''दो किसानों की मौत हो गई है। सरकार को मार्कफेड को लाना चाहिए और इसकी कीमत 280 रुपए प्रति किलोग्राम सुनिश्चित करनी चाहिए, अन्यथा हम आंदोलन शुरू करेंगे।'' ए पी मार्कफेड (आंध्र प्रदेश राज्य सहकारी विपणन संघ लिमिटेड) विपणन सहकारी समितियों का एक संघ है। पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि राजग गठबंधन सरकार ने बाजार समर्थन के बिना फसल क्षेत्र में वृद्धि की और 22 करोड़ टन अनुमानित तंबाकू उत्पादन के मुकाबले केवल चार करोड़ टन की खरीद की। उन्होंने प्रकाश डाला कि धान की खरीद एमएसपी से 300 रुपए कम पर की गई, जबकि कोको और पाम ऑयल की कीमतों में भारी गिरावट आई। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव प्रचार के दौरान आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू द्वारा किए गए वादों के विपरीत, मिर्च, कपास, हल्दी, बाजरा जैसी फसलों को एमएसपी देने से इनकार किया जा रहा है। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि नायडू के पिछले (2014-2019) कार्यकाल के दौरान 600 से अधिक किसानों ने आत्महत्याएं की और 2019 में वाईएसआरसीपी के सत्ता में आने के बाद ही मुआवजा दिया गया।

सूक्ष्म वित्त संस्थानों का कर्ज वितरण बीते वित्त वर्ष में 25% घटा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। छोटी राशि के कर्ज देने वाले सूक्ष्म वित्त संस्थानों (माइक्रोफाइनेंस) का कर्ज वितरण 2024-25 में 25 प्रतिशत घटकर 1.12 लाख करोड़ रुपए रहा। यह क्षेत्र में दबाव की स्थिति को बयां करता है। सूक्ष्म वित्त संस्थानों (एमएफआई) के शीर्ष निकाय माइक्रोफाइनेंस इंस्टिट्यूशन नेटवर्क (एमएफआईएन) ने बुधवार को जारी अपनी रिपोर्ट में कहा कि 2024-25 में 2.2 करोड़ खातों के माध्यम से 1,12,459 करोड़ रु. का कर्ज दिया गया। यह 2023-24 में वितरित राशि से 25.4% कम है। हालांकि, वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान प्रति खाते वितरित औसत ऋण राशि 50,131 रुपए थी, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 12.3 प्रतिशत अधिक है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष के दौरान, एनबीएफसी-एमएफआई को कुल 57,307 करोड़ कर्ज वित्तपोषण के रूप में मिला, जो पिछले वर्ष की तुलना में 35.7 प्रतिशत कम है।

ईडी की छापेमारी पर सिद्दरामय्या ने कहा

कानून के किसी भी उल्लंघन का समर्थन नहीं करेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चिक्कबल्लापुर। कांग्रेस के एक सांसद और तीन विधायकों के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी की कार्रवाई पर टिप्पणी करते हुए कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बुधवार को कहा कि उनकी सरकार कानून के किसी भी उल्लंघन का समर्थन नहीं करेगी और न ही वह कानून को लागू किए जाने के रास्ते में आएगी। अधिकारिक सूत्रों ने बताया कि ईडी ने कांग्रेस के बेल्लारी से सांसद ई. तुकाराम और पार्टी के तीन विधायकों के खिलाफ वाल्मीकि घोटाले से संबंधित धन शोधन मामले में धन शोधन जांच के तहत छापेमारी की कार्रवाई की।

एक सवाल के जवाब में सिद्दरामय्या ने कहा, ''मुझे क्या करना चाहिए? ईडी ने छापे मारे हैं। कानून के मुताबिक वे जो करना चाहते हैं, उन्हें करने दीजिए। हम कानून के किसी भी उल्लंघन का समर्थन नहीं करेंगे। हम कानून को लागू करने के रास्ते में भी नहीं आएंगे। हम इसमें बाधा नहीं डालेंगे।'' ईडी ने बताया कि बेल्लारी में पांच परिसरों और बेंगलूरु शहर में तीन परिसरों पर धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत छापेमारी की जा रही है। ये आवास तुकाराम और विधायक नारा भरत रेड्डी (बेल्लारी शहर), जे. एन. गणेश (कांपली) और एन. टी. श्रीनिवास (कुडलिगी) से संबंधित हैं। सूत्रों ने कहा कि यह अभियान कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि एसटी विकास निगम (केएमवीएसटीडीसी) के खातों से करोड़ों रुपये की धनराशि को ''फर्जी खातों'' में भेजने तथा फर्जी संस्थाओं के माध्यम से काले धन को सफेद में बदलकर चुनाव खर्च में इस्तेमाल के आरोपों के संबंध में सबूत जुटाने के उद्देश्य से चलाया गया। आरोप है कि इस धन को 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान बेल्लारी सीट के मतदाताओं एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं में वितरित किया गया।

कर्नाटक वाल्मीकि मामला

ईडी ने कांग्रेस सांसद और तीन विधायकों के खिलाफ तलाशी अभियान चलाया

बेंगलूरु। प्रवर्तन निदेशालय ने कथित वाल्मीकि घोटाले के संबंध में धन शोधन जांच के तहत बुधवार को कर्नाटक के बेल्लारी से कांग्रेस सांसद ई. तुकाराम और पार्टी के तीन विधायकों के खिलाफ तलाशी अभियान चलाया। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि तुकाराम और तीनों विधायकों के परिसरों पर धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत तलाशी की जा रही है। इनमें तुकाराम और विधायक नारा भरत रेड्डी (बेल्लारी शहर), जे. एन. गणेश (कांपली) और एन. टी. श्रीनिवास (कुडलिगी) से संबंधित आवास शामिल हैं।

सूत्रों ने कहा कि यह तलाशी अभियान कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि एसटी विकास निगम (केएमवीएसटीडीसी) के खातों से करोड़ों रुपये की धनराशि को ''फर्जी खातों'' में भेजने तथा फर्जी संस्थाओं के माध्यम से काले धन को सफेद में बदलकर चुनाव खर्च में इस्तेमाल के आरोपों के संबंध में सबूत जुटाने के उद्देश्य से चलाया गया। आरोप है कि इस धन को 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान बेल्लारी सीट के मतदाताओं एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं में वितरित किया गया। धन शोधन का मामला 2024 में कर्नाटक पुलिस और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकियों से सामने आया है। प्राथमिकियों में आरोप लगाया गया है कि कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि एसटी विकास निगम (केएमवीएसटीडीसी) के खातों से करोड़ों रुपये की धनराशि को ''फर्जी खातों'' में भेजा गया और फर्जी संस्थाओं के माध्यम से काले धन को सफेद में बदला गया।

निगम की स्थापना 2006 में कर्नाटक में अनुसूचित जनजाति (एसटी) समुदायों के लिए कल्याणकारी योजनाएं चलाकर मुख्य रूप से उनके सामाजिक-आर्थिक विकास पर ध्यान देने के उद्देश्य से की गई थी। कथित अनियमितताएं तब सामने आईं जब वाल्मीकि निगम के लेखा अधीक्षक चंद्रशेखरन पी. पिछले साल 21 मई को मृत पाए गए। उन्होंने एक सुसाइड नोट लिखा था जिसमें निगम से विभिन्न बैंक खातों में अवैध रूप से धन हस्तांतरित करने का आरोप लगाया गया था। कर्नाटक के पूर्व आदिवासी मामलों के मंत्री बी. नागेंद्र और कथित तौर पर उनसे जुड़े पांच अन्य लोगों को इस मामले में ईडी ने गिरफ्तार किया था। नागेंद्र को बाद में जमानत मिल गई।

नागेंद्र ने ईडी को बताया कि उनके मंत्रालय के तहत निगम के प्रबंध निदेशक जे. जी. पद्मनाभ ने उनकी जानकारी या बोर्ड की मंजूरी के बिना निगम के धन को धोखाधड़ी'' से हस्तांतरित कर दिया। उन्होंने किसी भी गलत काम से इनकार किया और कहा कि उन्हें गबन किए गए धन से व्यक्तिगत रूप से कोई लाभ नहीं हुआ। पद्मनाभ ने ईडी को बताया कि वह नागेंद्र सहित उच्च अधिकारियों के आदेश पर काम कर रहे थे और धोखाधड़ी की गतिविधियों पर उनका कोई वास्तविक नियंत्रण नहीं था। बेल्लारी ग्रामीण सीट से विधायक नागेंद्र ने इन आरोपों के बाद मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। पिछले साल दायर ईडी के आरोपपत्र के अनुसार, नागेंद्र के दो निजी सहायकों और एक सहयोगी ने बड़ी मात्रा में धन का प्रबंधन करने की बात ''स्वीकार'' की, जो चुनावी उद्देश्यों के लिए धन की हेराफेरी की व्यापक साजिश से मेल खाती है। एजेंसी ने कहा कि नागेंद्र ने अपराध की आय के काफी ''हिस्से'', मुख्य रूप से नकदी के रूप में धनराशि का प्रबंधन किया, जिसका इस्तेमाल लोकसभा चुनाव से संबंधित गतिविधियों का समर्थन करने के लिए किया गया था।

ईडी ने कहा, ''वाल्मीकि निगम से निकाली गई यह नकदी बी. नागेंद्र के निजी सहायक विजय कुमार गौड़ा ने उनके सीधे निर्देशों के तहत प्राप्त की और वितरित की।'' एजेंसी ने कहा कि गौड़ा ने ईडी के समक्ष दर्ज अपने बयान में कहा कि ''उसने नागेंद्र द्वारा निर्देशित व्यक्तियों को नकदी सौंपी थी, जो बी. नागेंद्र के निर्देशों के मुताबिक अंततः चुनाव संबंधी गतिविधियों के उद्देश्य से पार्टी कार्यकर्ताओं और मतदाताओं के पास चली गई।''

एजेंसी ने कहा, ''कांग्रेस उम्मीदवार ई. तुकाराम के पक्ष में वोट डालने के लिए मतदाताओं को लुभाने के वास्ते प्रत्येक मतदाता को 200-200 रुपये वितरित किए गए।'' ईडी ने पिछले साल दायर अपने आरोपपत्र में कहा, ''इसके अलावा मतदाताओं की सहायता करने और मतदान केंद्र की निगरानी के लिए जिम्मेदार कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं को मुआवजा देने के लिए प्रत्येक मतदान केंद्र को 10,000-10,000 रुपये आवंटित किए गए थे।

कर्नाटक में ईडी के छापे राज्य में पार्टी के 'विभाजन की साजिश' : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कलबुर्गी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को कर्नाटक में पार्टी के एक सांसद और तीन विधायकों से जुड़े परिसरों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के छापों को राज्य में पार्टी को विभाजित करने की ''साजिश'' करार दिया। उन्होंने केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का नाम लिए बिना दावा किया कि कांग्रेस को निशाना बनाया जा रहा है और इसका उद्देश्य राज्य में सत्तारूढ़ पार्टी में मतभेद उत्पन्न कर इससे फायदा उठाना है। कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया कि ऐसा करने वाले अपने प्रयासों में सफल नहीं होंगे क्योंकि पार्टी के सभी विधायक एकजुट हैं।

खरगे ने कहा, ''मुझे विस्तृत जानकारी नहीं है। मुझे टीवी से जानकारी मिली है। स्वाभाविक रूप से, अगर ईडी ने ऐसा किया है, तो वे शुरू से ही कांग्रेस से नाराज हैं। अगर वे कांग्रेस विधायकों को निशाना बना रहे हैं, तो ऐसा लगता है कि हमारी पार्टी को विभाजित करने की साजिश है।'' कांग्रेस अध्यक्ष ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि यदि वे अब किसी ऐसी बात के लिए उन्हें परेशान करते हैं, जो कि चुनाव के दौरान घटित हुई थी, तो यह सही नहीं है।

उन्होंने कहा, ''इस मामले को चुनाव के दौरान ही देखा जाना चाहिए था, लेकिन एक साल, डेढ़ साल बाद, अगर वे इसे अब उठा रहे हैं, तो यह पार्टी विधायकों को विभाजित करने का प्रयास प्रतीत होता है। देखते हैं कि ईडी इस मामले को कैसे लेती है। मैं फोन पर मुख्यमंत्री से जानकारी लूंगा और देखूंगा कि क्या करने की जरूरत है।'' आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को वाल्मीकि घोटाले से जुड़े कथित धन शोधन मामले की जांच के तहत बेल्लारी से कांग्रेस के लोकसभा सदस्य ई. तुकाराम और पार्टी के तीन विधायकों से जुड़े परिसरों पर छापेमारी की कार्रवाई की। उन्होंने बताया कि बेल्लारी में पांच और बेंगलूरु शहर में तीन परिसरों पर धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत तलाशी ली जा रही है। इनमें तुकाराम और विधायकों नारा भरत रेड्डी (बेल्लारी शहर), जे एन गणेश (कांपली) और एन टी श्रीनिवास (कुडलिगी) के आवास शामिल हैं।

ईडी यह कार्रवाई कॉरपोरेट के धन के दुरुपयोग के आरोप की जांच के तहत कर रही है। इस बारे में पूछे जाने पर खरगे ने कहा, ''वे ऐसा कह सकते हैं। यह मामला ईडी पर छोड़ दिया गया है। मैं इसमें हस्तक्षेप नहीं करूंगा। इस तरह की जांच होती रहती है। चुनाव के दौरान करोड़ों रुपये जब्त किए जाते हैं। यह कहां है? यह किसका है? अभी तक चीजें सामने नहीं आई हैं। तब सभी पार्टियों से धन जब्त किया गया था। वह धन कहां है?'' खरगे ने भाजपा की ओर इशारा करते हुए कहा कि हर कोई जानता है कि चुनाव के दौरान कौन कितना खर्च करता है। उन्होंने कहा, ''वे विशेष रूप से एक पार्टी (कांग्रेस) को निशाना बनाते हैं, क्योंकि अगर वे इस पार्टी को परेशान करते हैं, तो स्वाभाविक रूप से अंदर मतभेद होंगे। उन्हें लगता है कि इससे उन्हें फायदा होगा; लेकिन यह असंभव है। उनके सभी उत्पीड़न के बावजूद, हमारे सभी विधायक एकजुट हैं और यह कर्नाटक में कोई नई बात नहीं है... मैं जांच पूरी होने तक और अधिक टिप्पणी नहीं करना चाहता।'' सूत्रों ने कहा कि यह छापेमारी इस आरोप पर सबूत जुटाने के लिए की जा रही है कि कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम (केएमवीएसटीडीसी) के खातों से निकाले गए धन का इस्तेमाल पिछले साल लोकसभा चुनाव के दौरान बेल्लारी सीट के मतदाताओं और कांग्रेस कार्यकर्ताओं को नकदी वितरित करने के लिए किया गया था।

एयरटेल ने कर्नाटक में 1.80 लाख संदिग्ध लिंक पर लगाई रोक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। दूरसंचार सेवाप्रदाता भारती एयरटेल ने बुधवार को दावा किया कि उसने ऑनलाइन धोखाधड़ी के बढ़ते मामलों के मद्देनजर अपनी उन्नत धोखाधड़ी पहचान प्रणाली शुरू करने के महज 25 दिन के भीतर कर्नाटक में 1.80 लाख से अधिक लिंक पर रोक लगाई। कंपनी बयान के अनुसार, यह पहल कृत्रिम मेधा (एआई)-संचालित धोखाधड़ी पहचान प्रणाली के राष्ट्रव्यापी क्रियान्वयन के हिस्से के रूप में की जा रही है।

भारती एयरटेल ने कहा, ''सभी एयरटेल मोबाइल और ब्रॉडबैंड ग्राहकों के लिए स्वचालित रूप से सक्षम व उन्नत

प्रणाली..एसएमएस, व्हाट्सएप, टेलीग्राम, फेसबुक, इंस्टाग्राम, ई-मेल और अन्य ब्राउजर में लिंक को स्कैन और फिल्टर करती है। यह प्रतिदिन एक अरब अरब से अधिक यूआरएल की जांच करने के लिए खतरे से जुड़ी खुफिया जानकारी का इस्तेमाल करती है और 100 मिलीसेकंड से कम समय में इन संदिग्ध साइट पर रोक लगाती है।''

खरगे ने मोदी सरकार के 11 साल की आलोचना की

कलबुर्गी। केंद्र में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के 11 साल पूरे होने पर बुधवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री पर इस अवधि के दौरान 33 गलतियां करने का आरोप लगाया। खरगे ने दावा किया कि उन्होंने कभी ऐसा प्रधानमंत्री नहीं देखा जो इतना झूठ बोलते हों, लोगों को फंसाते' हों तथा युवाओं को 'धोखा' देते हों।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, 11 साल हो गए और 33 गलतियां की गई हैं। आप जानते हैं और मैं संसद में भी कहता रहा हूं - मैंने ऐसा प्रधानमंत्री कभी नहीं देखा जो इतना झूठ बोलते हों, इतनी गलतियां करते हों, लोगों को फंसाते हों, युवाओं को बरगलाते हों, गरीबों को फंसाकर वोट लेते हों।

दक्षिण पश्चिम रेलवे

ई-प्रोक्योरमेंट (आईआरईपीएस) निविदा सूचना सं. एच-जीएस-यूबीएल-02-2025-26 दिनांक: 05.06.2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं।

क्र.सं	कार्य का नाम	अनुमानित मूल्य
1	हुब्बल्लि में इंजीनियरिंग, प्राक्योरमेंट एवं निर्माण ("ईपीसी") आधार पर इंटीग्रेटेड रोलिंग स्टॉक कोचिंग डिपो का डिजाइन, आपूर्ति, निर्माण, संस्थापन, जांच एवं कमीशनिंग सहित सभी सिविल, इलेक्ट्रिकल जनरल, इलेक्ट्रिकल ट्रैक्शन, सिग्नेलिंग एवं टेलीकॉम कार्य और मशीनरी, टूल एवं प्लांट।	रू. 292,74,19,268/-
	निविदाएँ जमा करने की अंतिम तिथि 30.07.2025 को 11.00 बजे तक	
2	वास्को-डि-गामा के पुनर्विकास के लिए अतिरिक्त कार्य के साथ सहायक जनरल इलेक्ट्रिकल एवं टेलीकॉम कार्य (संयुक्त कार्य)।	रू. 43,93,43,373/-
	निविदाएँ जमा करने की अंतिम तिथि 30.06.2025 को 11.00 बजे तक	

विस्तृत विवरणों के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in

मुख्य परियोजना प्रबंधक/गति शक्ति, हुब्बल्लि

PUB/175/AAD360/PRB/SWR/2025-26

अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए Google Play Store से UTS मोबाइल ऐप डाउनलोड करें।

South Western Railway - SWR SWRRLY SWRRLY

तेलंगाना उच्च न्यायालय ने ओएमसी मामले में जनार्दन रेड्डी की सजा निलंबित की, जमानत दी

बेल्लारी/हैदराबाद। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने कर्नाटक के पूर्व मंत्री जी जनार्दन रेड्डी को ओबुलापुरम माइनिंग कंपनी (ओएमसी) के अवैध लौह अयस्क खनन मामले में दोषी ठहराये जाने के फैसले और सुनाई गई सजा को बुधवार को निलंबित कर दिया और उन्हें जमानत दे दी। उच्च न्यायालय ने मामले में रेड्डी के साथ दोषी ठहराए गए तीन अन्य लोगों की जमानत याचिका भी स्वीकार कर ली। यहां एक विशेष सीबीआई अदालत ने 6 मई को जनार्दन रेड्डी और तीन अन्य लोगों को दोषी ठहराया। इनमें उनके रिश्तेदार तथा ओएमसी के प्रबंध निदेशक बी वी श्रीनिवास रेड्डी, तत्कालीन खान एवं भूविज्ञान निदेशक (आंध्र प्रदेश सरकार) वी डी राजगोपाल और जनार्दन रेड्डी के सहायक महफूज अली खान शामिल हैं। उन्हें सात साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई गई। पूर्व मंत्री और अन्य ने सजा के निलंबन और जमानत की मांग को लेकर उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। अदालत ने उनकी सजा को निलंबित करते हुए उन्हें 10-10 लाख रुपये की जमानत राशि और इतनी ही राशि के निजी मुचलकों पर जमानत दे दी।

भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम)

Bharat Petroleum | Shaping The Future

भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन के स्वामित्व वाले तथा कॉर्पोरेशन संचालित रिटेल आउटलेटों (कोको) के लिए सेवा प्रदाता की संबद्धता हेतु सूचना

भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, तमिलनाडु राज्य, के विभिन्न स्थानों पर कॉर्पोरेशन के स्वामित्व एवं कॉर्पोरेशन संचालित रिटेल आउटलेटों में कर्मचारियों तथा विभिन्न सेवाओं के लिए सेवा प्रदाता संबद्ध करने का इच्छुक है।

विस्तृत विज्ञापन, दिशानिर्देश/विवरणिका और आवेदन प्रपत्र हमारी वेबसाइट https://www.bharatpetroleum.in/Bharat-Petroleum-For/Business-Associates/COCO.aspx पर उपलब्ध हैं तथा इन्हें डाउनलोड भी किया जा सकता है।

पूर्ण रूप से भरे हुए आवेदन पत्र विस्तृत विज्ञापन में दर्शाए गए कार्यालय में **11.07.2025** को **17:00 बजे** तक पहुंच जाने चाहिए। यदि कोई शुद्धिपत्र होगा तो उसे उपरोक्त वेबसाइट पर पोस्ट कर दिया जाएगा।

Bharatgas COOK FOOD. SERVE LOVE. | MAK LUBRICANTS | Bharat Petroleum Aviation Service

Energising Lives, Energising Naya Bharat

राज्यपाल ने न्यायाधीश श्रीमती पेरुगु श्रीसुधा को शपथ दिलाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बुधवार को राज्यपाल थावर चंद गहलोत ने राजभवन के बैंक्वेट हॉल में आयोजित एक सादे समारोह में श्रीमती पेरुगु श्री सुधा को कर्नाटक उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में शपथ दिलाई। इस दौरान मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, कर्नाटक उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश वी. कामेश्वर राव, ऊर्जा विभाग के मंत्री के. जे. जॉर्ज, सरकार की मुख्य सचिव डॉ. शालिनी रजनीश, कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग की सचिव सत्यवती जी., कर्नाटक उच्च न्यायालय के माननीय न्यायाधीश, वकील और अन्य गणमान्य व्यक्ति तथा वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

खरगे ने भगदड़ को लेकर कर्नाटक के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग खारिज की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कलबुर्गी। बेंगलूरु में चार जून को हुई भगदड़ में 11 लोगों की मौत के मामले में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के इस्तीफे की मांग को खारिज करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को पूछा कि क्या उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस साल की शुरुआत में कुंभ मेले के दौरान हुई भगदड़ के बाद इस्तीफा दिया था। भगदड़ में लोगों की मौत पर दुख व्यक्त करते हुए खरगे ने यहां संवाददाताओं से कहा कि यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि ऐसी घटना दोबारा न हो।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) की आईपीएल के फाइनल मुकाबले में पहली जीत का जश्न मनाने के लिए चार जून को यहां चिन्नास्वामी स्टेडियम में एक समारोह आयोजित किया गया था। इस दौरान स्टेडियम के बाहर भगदड़ मचने से 11 लोगों की मौत हो गई और 56 से अधिक लोग घायल हुए थे। मंगलवार को दिल्ली में सिद्दरामय्या और शिवकुमार की उनसे और कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मुलाकात के बारे में एक सवाल का जवाब देते हुए खरगे ने कहा, ''यह शिष्टाचार मुलाकात थी। हमने दो-तीन मुद्दों 'भगदड़ की घटना, जाति जनगणना और प्रशासन से संबंधित अन्य मामले' पर चर्चा की है।''

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ''हमने उनसे कहा कि यह घटना नहीं होनी चाहिए थी और हमें पीड़ित परिवारों के साथ खड़ा होना चाहिए।'' भगदड़ मामले में भाजपा द्वारा मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग के बारे में पूछे जाने पर खरगे ने कहा, ''क्या कुंभ मेले (की भगदड़) के बाद इस्तीफा दिया गया था? तब लाखों लोग गए, (मरने वालों की) कोई गिनती नहीं है। केवल तब ही नहीं, कोविड के दौरान भी यही हुआ।''

कांग्रेस नेता ने कहा, ''क्या उन्होंने (उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ) इस्तीफा दिया? अगर कुछ भी जानबूझकर और उद्देश्यपूर्ण तरीके से हुआ होता तब बात थी....लेकिन, दुर्घटनावश ये घटना हुई। हमारे लोगों ने इसके लिए माफी मांगी है...हमें भी दुख है। यह घटना नहीं होनी चाहिए थी। नौजवानों की मौत हुई है। उनके माता-पिता की पीड़ा जानकर दुख होता है।'' खरगे ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि ऐसी घटनाएं दोबारा न हों।

वोडाफोन-आइडिया ने बेंगलूरु में शुरू की 5जी सेवाएं

बेंगलूरु। दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया लिमिटेड (वीआईएल) ने बुधवार से बेंगलूरु में अपनी 5जी सेवाएं शुरू करने की घोषणा की है। कंपनी बयान के अनुसार, मुंबई, दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, पटना और चंडीगढ़ में हालही में 5जी सेवाएं शुरू करने के बाद इसे यहां भी इसे शुरू किया गया। यह इस साल अगस्त तक सभी प्राथमिकता वाले 17 क्षेत्रों में 5जी सेवाएं शुरू करने की कंपनी की रणनीति का हिस्सा है। दूरसंचार कंपनी ने कहा कि बेंगलूरु में वोडाफोन आइडिया के 5जी-सक्षम उपकरण वाले उपयोगकर्ता अब हमारी 5जी सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं... 299 रुपये से शुरू होने वाले 'प्लान' पर उपयोगकर्ताओं को असीमित 5जी डेटा उपलब्ध है।

सत्यमेव जयते
भारत सरकार
सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय
सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, भारत सरकार द्वारा अनुसूचित जाति SC के छात्रों के लिए **"टॉप क्लास एजुकेशन स्कीम"** के अंतर्गत छात्रवृत्ति हेतु **राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल (NSP)** को 02-06-2025 से **फ्रेश (नवीन) और रिन्यूअल (नवीकरण)** छात्रों के लिए खोला गया है।

वे अनुसूचित जाति के छात्र, जिनकी **कुल वार्षिक पारिवारिक आय सभी स्रोतों से ₹8.00 लाख तक है**, और जिन्होंने इस योजना के अंतर्गत अधिसूचित किसी भी संस्थान में **पूर्णकालिक निर्धारित पाठ्यक्रम** में प्रवेश प्राप्त किया है, वे **उन संस्थानों को आवंटित छात्रवृत्ति की संख्या (स्लॉट्स)** की सीमा तक इस छात्रवृत्ति के लिए पात्र होंगे।

पोर्टल **संभावित रूप से 31-10-2025 को बंद** हो सकता है।

फॉर्म भरने से पूर्व छात्र **योजना की पात्रता शर्तें** अवश्य जांच लें। **NSP पोर्टल** पर फॉर्म भरने के विस्तृत दिशानिर्देश उपलब्ध हैं। योजना से संबंधित दिशानिर्देश देखने के लिए socialjustice.gov.in/schemes पर जाएं या नीचे दिया गया **QR कोड स्कैन करें।**

CBC 38101/11/0006/2526

पटाखा फैक्टरी में विस्फोट, दो की मौत

चेन्नई। तमिलनाडु के दक्षिणी विरुधुनगर जिले में बुधवार को पटाखा बनाने वाली एक फैक्टरी में हुए विस्फोट में दो मजदूरों की मौत हो गई और चार अन्य श्रमिक घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि 54 वर्षीय एक महिला मजदूर और 37 वर्षीय एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने मौतों पर दुख व्यक्त किया और शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की।

पायलट के साथ संबंधों पर बोले अशोक गहलोत

‘हम लोग दूर कब थे?’

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सचिन पायलट के साथ अपने रिश्तों में किसी तरह की खटास की अटकलों को खारिज करते हुए बुधवार को कहा, दूर कब थे हम लोग? हम कभी दूर थे ही नहीं। उन्होंने यह भी कहा कि प्यार मोहब्बत हमेशा बनी रहती है... बनी रहेगी। गहलोत की इस टिप्पणी को कांग्रेस के इन दो दिग्गज नेताओं के रिश्तों पर वर्षों से जमी बर्फ पिघलने के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। दरअसल गहलोत बुधवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री और सचिन पायलट के पिता राजेश पायलट की पुण्यतिथि पर भड़ाना (दौसा) में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने पहुंचे। इस अवसर पर संवाददाताओं के सवाल पर उन्होंने यह टिप्पणी की। इस अवसर पर सर्वधर्म प्रार्थना सभा हुई और राजेश पायलट के योगदान से जुड़ी प्रदर्शनी भी लगाई गई।

कार्यक्रम में कांग्रेस के राजस्थान प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, पार्टी के कई सांसद और विधायक, पूर्व मंत्री, पूर्व विधायक और पार्टी पदाधिकारी शामिल हुए। राजेश पायलट की 25वीं पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और स्थानीय लोग मौजूद थे। भीड़ भरे कार्यक्रम स्थल पर पत्रकारों ने गहलोत से पूछा कि दोनों नेताओं के फरि करीब आने के पीछे क्या संदेश है। गहलोत ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, दूर कब थे हम लोग? आपको लगता है ... हम दूर कब थे? कभी दूर थे ही नहीं। प्रेम मोहब्बत हमेशा बनी रहती है। बनी रहेगी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने जब यह टिप्पणी की तो पायलट के साथ-साथ पार्टी के दूसरे नेता भी वहीं थे। राजेश पायलट को याद करते हुए गहलोत ने कहा कि वह और पायलट संसद में साथ-साथ थे और किसानों व गरीबों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता आज भी याद की जाती है। गहलोत ने कहा, आज हम उन्हें श्रद्धांजलि दे रहे हैं। लोगों का उत्साह देखिए। युवा भी आए हैं और बुजुर्ग भी। जिन्होंने उनके साथ काम किया है वे भी आए हैं। जिन्होंने उनके बारे में सुना है वे भी आए हैं। यह सभा अपने आप में संदेश देती है कि उनका व्यक्तित्व कैसा था। मैंने उनके साथ काम किया है और उस समय की यादें भी आज ताजा हो गई हैं। इस अवसर पर सचिन पायलट ने कहा कि उनके पिता ने भारतीय वायुसेना और बाद में राजनीति में रहते हुए देश की सेवा की।

उन्होंने कहा, मुझे उनपर बड़ा फख्र है। उन्होंने फौज और फिर राजनीति में रहते हुए बड़े आयाम स्थापित किए। बड़े पदों पर बैठकर भी इंसान अपना दामन साफ रख सकता है। गरीब परिवार में पैदा होकर भी इंसान ऊंचाइयों तक पहुंच सकता है। उन्होंने कहा, उन्हें हमसे जुदा हुए 25 साल हो गए लेकिन आज भी मुझे लगता है कि वह मेरे साथ ही हैं। उनका काम करने का तरीका और लगन हमारे लिए आदर्श है। मुझे उम्मीद है कि आने वाली पीढ़ी उनके जीवन से सबक लेगी।

उन्होंने कहा, मैं गर्व से कह सकता हूं कि पायलट साहब लोगों को जोड़ने वाले नेता थे। उन्होंने लोगों को जोड़ा और दूरियां कम कीं। कांग्रेस पार्टी के माध्यम से देश की सेवा की। आज हम सब उन्हें याद करते हैं। प्रदर्शनी के अवलोकन के दौरान सचिन पायलट भी गहलोत के साथ थे।

राजेश पायलट की 11 जून 2000 को दौसा में एक सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। उस समय वह दौसा के सांसद थे। उनकी पुण्यतिथि पर सचिन पायलट की ओर से हर साल दौसा में कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। सचिन पायलट हाल ही में गहलोत को इस कार्यक्रम के लिए आमंत्रित करने उनके आवास पर गए थे। उल्लेखनीय है कि गहलोत व पायलट में रिश्ते पिछले कुछ वर्षों में सामान्य नहीं रहे हैं। दरअसल दिसंबर 2018 में विधानसभा चुनाव के बाद राजस्थान में कांग्रेस के सत्ता में आने पर गहलोत और सचिन पायलट के बीच मुख्यमंत्री पद के लिए रस्साकशी शुरू हो गई थी। हालांकि इसमें गहलोत ने बाजी मार ली और वह तीसरी बार मुख्यमंत्री बने। उस समय कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष रहे सचिन को उपमुख्यमंत्री बनाया गया।

साल 2020 में पायलट ने कुछ कांग्रेस विधायकों के साथ मिलकर गहलोत के नेतृत्व के खिलाफ विद्रोह कर दिया। इससे राज्य में एक महीने तक सियासी संकट बना रहा जो पार्टी आलाकमान द्वारा पायलट द्वारा उठाए गए मुद्दों पर विचार करने के आश्वासन के बाद समाप्त हुआ। पायलट व 18 अन्य विधायकों के 'विद्रोह' के बाद गहलोत ने सचिन के लिए गद्दार, नकारा और निकम्मा जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया और उन पर राज्य में कांग्रेस सरकार को गिराने की साजिश में भाजपा नेताओं के साथ शामिल होने का आरोप लगाया। इस सियासी संकट के दौरान ही पायलट को उपमुख्यमंत्री और कांग्रेस अध्यक्ष पद से हाथ धोना पड़ा। इसके बाद सितंबर 2022 में मुख्यमंत्री आवास पर कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) की बैठक बुलाई गई थी, जिसमें एक पंक्ति का प्रस्ताव पारित करते हुए पार्टी आलाकमान को राज्य नेतृत्व में बदलाव क बारे में निर्णय करने के लिए अधिकृत किया जाना था। उस समय गहलोत को कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद की दौड़ में माना जा रहा था। हालांकि, यह बैठक नहीं हो सकी। बल्कि तत्कालीन संसदीय कार्य मंत्री शांति धारीवाल के आवास पर एक समानांतर बैठक हुई जिसमें कई कांग्रेस विधायकों ने पायलट को नया मुख्यमंत्री बनाने के पार्टी आलाकमान के किसी भी संभावित कदम के खिलाफ अपने इस्तीफे विधानसभा अध्यक्ष को सौंप दिए। अप्रैल 2023 में पायलट ने तत्कालीन गहलोत सरकार के खिलाफ एक तरह से एक और मोर्चा खोलते हुए पूर्ववर्ती वसुंधरा राजे सरकार से जुड़े कथित भ्रष्टाचार के मामलों में कार्रवाई की मांग को लेकर जयपुर के शहीद स्मारक पर उपवास रखा था।

‘गहलोत जादूगर हैं, ताश के 52 पत्तों के अलावा तीन जोकरों का भी उपयोग करते हैं’: गोपाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को लेकर विधायक गोपाल शर्मा ने बड़ा बयान देते हुए कहा कि वो जादूगर हैं। ताश के 52 पत्तों के अलावा वह तीन जोकरों का भी उपयोग करना अच्छी तरह जानते हैं। राजेश पायलट की 25वीं पुण्यतिथि पर पूरी कांग्रेस दौसा में एकत्र हुई है। इस सवाल क्या जवाब देते हुए गोपाल शर्मा ने कहा सचिन पायलट को अभी बहुत कुछ सीखना बाकी है। सचिन पायलट राजस्थान के नेता जब ही बन सकते हैं, जब उनके दर्द में राजस्थान की मिट्टी की सुगंध आए। विधायक गोपाल शर्मा ने कहा 2028 ही नहीं 2033 उसके बाद 2038 में भी कांग्रेस का राजस्थान में कोई स्थान न होना कोई बड़ी बात नहीं है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि क्या पता अशोक गहलोत और सचिन पायलट भी विधानसभा चुनाव हार जाएं।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के सचिन पायलट को लेकर दिए गए बयान पर गोपाल शर्मा ने कहा अगर पायलट और गहलोत का विवाद मीडिया ने पैदा किया तो जब दिल्ली से पर्यवेक्षक आए थे, तब गहलोत उसको ठीक कर लेते हैं। गोपाल शर्मा ने आगे कहा कि गहलोत का मकसद बिल्कुल साफ है। सरकार आ रही है तो गहलोत नेता है, सरकार नहीं है तो गहलोत चेहरा ढूंढ लेते हैं।

गोविंद सिंह डोटासरा पर भी पलटवार करते हुए गोपाल शर्मा ने कहा डोटासरा को सुनना कौन चाहता है। डोटासरा अगर कांग्रेस में ना रहे तो उनकी सभा में एक आदमी नहीं पहुंचेगा, जो व्यक्ति विधानसभा में विधानसभा अध्यक्ष की मर्यादा को तार-तार कर दे उसे व्यक्ति के विषय में क्या बात करनी।

गर्मी के तीखे तेवर बरकरार, 48 डिग्री तक पारा पहुंचने के आसार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रदेश में गर्मी के तीखे तेवर बरकरार हैं और तापमान में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। आसमान से गर्मी रूपी आग बरस रही है और लू के थपेड़ों ने आमजन को झुलसा दिया है। गर्मी का जयपुर सहित कई जिलों में कमोबेश यही हाल है। वहीं, राज्य के पश्चिमी व उत्तरी भागों में आगामी 48 घंटो में तापमान में 1 से 2 डिग्री और बढ़ोतरी होने और बीकानेर संभाग के गंगानगर, हनुमानगढ़ में 11-13 जून अधिकतम तापमान 47-48 डिग्री, भीषण लू, ऊष्णरात्री का दौर जारी रहने की मौसम विभाग ने संभावना जताई है।

जोधपुर, जयपुर, भरतपुर व कोटा संभाग में भी आगामी तीन दिन अधिकतम तापमान 44-47 डिग्री व हीटवेव व ऊष्णरात्री दर्ज होने की संभावना है। कोटा, उदयपुर, भरतपुर संभाग के कुछ भागों में मेंघगर्जन, आंधी के साथ हल्की बारिश का दौर 14-15 जून से शुरू हो सकती है। जोधपुर, बीकानेर संभाग में भी 15 जून को दोपहर बाद मेघगर्जन-आंधी, व हल्की बारिश होने के आसार हैं। वहीं बीकानेर संभाग व आसपास के क्षेत्रों में आगामी दो दिन तेज धूलभरी हवाएं चलने की संभावना है।

बारात लेकर लौट रहा वाहन दुर्घटनाग्रस्त, दुल्हन समेत पांच लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर के पास बुधवार सुबह हुए भीषण सड़क हादसे में एक महिला समेत पांच लोगों की मौत हो गई और आठ अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतकों में नवविवाहित दुल्हन भी शामिल है। रायसर के थानाधिकारी रघुवीर सिंह ने बताया कि हादसा सुबह लगभग सवा छह बजे रायसर इलाके में भटकाबास गांव के पास दौसा-मनोहरपुर राजमार्ग पर हुआ जब एक ट्रक और जीप की आमने सामने भिड़ंत हो गई।

उन्होंने बताया कि जीप में बाराती सवार थे जो मध्य प्रदेश से लौट रहे थे। सिंह ने कहा कि हादसे में दुल्हन समेत पांच लोगों की मौत हो गई तथा आठ अन्य घायल हो गए, घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। उन्होंने कहा कि टक्कर इतनी जोरदार थी कि बारातियों की गाड़ी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार लोग फंस गए, कड़ी मशक्कत के बाद पीड़ितों को बाहर निकाला जा सका। हादसे के बाद हाईवे पर यातायात ठप हो गया और अफरा तफरी मच गई। पुलिस ने बताया कि बाराती मध्य प्रदेश के शहडोल से झुंझुनू के उदयपुरवाटी कस्बे लौट रहे थे। पुलिस ने कहा कि दुल्हन भारती (18) शहडोल के मंडोली गांव की रहने वाली थी।

पुलिस के अनुसार उदयपुरवाटी का निवासी दूल्हा विक्रम मीणा (25) गंभीर रूप से घायल हो गया, उसे और गंभीर रूप से घायल अन्य यात्रियों को नजदीकी निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने कहा कि अन्य मृतकों की पहचान जीतू (33), सुभाष (28), रवि कुमार (17) के रूप में हुई है। पुलिस ने कहा कि एक मृतक की पहचान की जा रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हादसे पर शोक जताया है।

उन्होंने 'एक्स' पर लिखा,'जयपुर में दौसा-मनोहरपुर हाईवे पर हुई भीषण सड़क दुर्घटना में जनहानि का समाचार अत्यंत दुखद है। जिला प्रशासन के अधिकारियों को घायल नागरिकों का त्वरित चिकित्सीय उपचार सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया है।

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री ने अधिकारियों की बैठक लेकर जल से जुड़ी योजनाओं की जानी प्रगति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं भू-जल विभाग के मंत्री कन्हैयालाल बुधवार को उदयपुर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने पटेल सर्किल स्थित पीएचईडी अतिरिक्त मुख्य अभियंता कार्यालय सभागार में उदयपुर एवं बांसवाड़ा संभाग के विभागीय अधिकारियों की संभाग स्तरीय समीक्षा बैठक ली। इस दौरान उन्होंने जल जीवन मिशन, समर कंटीजेंसी कार्य, बजट घोषणाओं और अन्य योजनाओं की जिलेवार प्रगति की विस्तार से समीक्षा की। बैठक में कन्हैयालाल ने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि प्रगतिरत हैंडपंप और ट्यूबवेल निर्माण कार्यों को जून माह तक हर हाल में पूरा किया जाए। उन्होंने गुणवत्ता और समयबद्धता पर जोर देते हुए कहा कि जनता का पैसा बर्बाद नहीं होना चाहिए। मंत्री ने निर्देश दिए कि विभागीय निर्माण कार्यों के लिए बीएसआर दरों के अनुरूप निविदाएं आमंत्रित की जाएं, और पुरानी आरसी पर कार्य नहीं कराए जाएं। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे संवेदकों को भी मौका मिले जो प्रतिस्पर्धात्मक दरों पर बेहतर काम कर सकते हैं, ताकि सरकारी खजाने पर बोझ कम हो और गुणवत्तापूर्ण कार्य हो।

बैठक के दौरान अमृत 2.0 योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए मंत्री ने इसे एक महत्वपूर्ण परियोजना बताया और कार्यों की तकनीकी स्वीकृति की जानकारी ली।

जल जीवन मिशन की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि पेयजल की उपलब्धता आमजन की बुनियादी जरूरत है और अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि लोगों को किसी प्रकार की परेशानी ना हो। मंत्री ने कहा कि ठेकेदारों से नियमित संवाद आवश्यक है ताकि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित हो सके। उन्होंने निर्देश दिए कि अधिकारी निर्माण कार्यों की प्रभावी मॉनिटरिंग करें और हर माह कम से कम 5 प्रोजेक्ट्स का औचक निरीक्षण अवश्य करें।

उन्होंने अधिकारियों को संवेदकों और स्थानीय आमजन से संवाद करने, उनकी समस्याओं को समझने और समाधान के लिए स्थानीय स्तर पर सहभागिता से कार्य करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि जब तक जल जीवन मिशन के अंतर्गत निर्मित टंकी में पानी ना आए, तब तक नल कनेक्शन नहीं दिए जाए। बैठक में मंत्री ने स्पष्ट किया कि लापरवाह संवेदकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए, वहीं बेहतर कार्य करने वालों को प्रोत्साहित किया जाए।

बीकानेर को मिलेगी औद्योगिक और पर्यटन में नई गति, कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ का ऐलान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीकानेर। राजस्थान सरकार में कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने अपने बीकानेर दौरे के दौरान विभिन्न विभागों की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठकें कीं और कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने बीकानेर के औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए एक बड़ा ऐलान किया है कि यहां के औद्योगिक क्षेत्रों तक गैस पाइपलाइन पहुंचाई जाएगी। औद्योगिक विभाग की समीक्षा बैठक में कर्नल राठौड़ ने स्पष्ट किया कि इस कदम से स्थानीय उद्योगों को सस्ती और पर्यावरण-अनुकूल ऊर्जा मिलेगी, साथ ही नई औद्योगिक इकाइयों को भी प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि बीकानेर को निवेश, ऊर्जा और पर्यटन का केंद्र बनाया जाएगा। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान औद्योगिक, पर्यटन और निवेश के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी योजनाओं को निर्धारित समय सीमा में पूरा किया जाए।

जैसलमेर जिले में हुए सड़क हादसे में दूल्हे समेत तीन लोगों की मौत

जैसलमेर। राजस्थान के जैसलमेर जिले के बासनपीर गांव के पास सड़क दुर्घटना में शादी करके लौट रहे दूल्हे समेत तीन लोगों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार दुर्घटना बासनपीर गांव के पास मंगलवार देर रात हुई जब अज्ञात वाहन ने कार को टक्कर मार दी। पुलिस ने कहा कि दूल्हा-दुल्हन और अन्य लोग शादी के बाद पोकरण से वापस लौट रहे थे। पुलिस ने बताया कि कार को टक्कर मारने के बाद वाहन चालक फरार हो गया। पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान दूल्हे लीला राम (45), उसकी बहन मूली देवी (35), हितेश (9 महीने) के रूप में हुई है और चार घायलों को जोधपुर भेज दिया गया है।

काली सिंध और पार्वती नदी का पानी लालसोट पहुंचेगा और जनता एवं खेती की प्यास बुझाएगा : रावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने कहा कि प्रदेश की तस्वीर और दशा-दिशा बदलने वाली पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) के माध्यम से चम्बल, काली सिंध और पार्वती नदी का पानी लालसोट की धरती पर आएगा और जनता एवं खेती की प्यास बुझाएगा। रावत बुधवार को यहां लालसोट के पास समेल में करीब 20-20 करोड़ की लागत से निर्मित दो एनिकटों के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे।

जल संसाधन मंत्री ने कहा कि पूर्वी राजस्थान की पानी की समस्या की गंभीरता को समझते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने ईआरसीपी योजना को धरातल पर उतारने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया, जिससे पूर्वी राजस्थान के 17 जिलों को जोड़ा गया है। इस योजना का टेंडर होकर काम चालू हो गया है। उन्होंने कहा कि लालसोट क्षेत्र का मोरेल बांध भी इससे जुड़ा है। इसके अलावा क्षेत्र के अन्य बांधों को भी जोड़ने पर विचार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस योजना के पूर्ण होने पर चम्बल, काली सिंध और पार्वती नदी का पानी लालसोट की धरती पर आएगा। व्यर्थ बहकर जाने वाले बरसात के पानी से यहां की जनता की प्यास बुझेगी, खेतों में सिंचाई होगी और उद्योग-धंधे फलीभूत होंगे।

जल संसाधन मंत्री ने ‘वंदे गंगा’ जल संरक्षण जन अभियान के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि ‘जल है तो कल है’। जल के बिना हम जीने की कल्पना भी नहीं कर सकते हैं। पानी प्रकृति की अमूल्य देन है, जिसे हम पैदा नहीं कर सकते हैं, केवल संरक्षित करके ही उपयोग में ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि पुराने समय में लोग बावड़ियों एवं कुओं से ही पानी पीते थे, लेकिन कालान्तर में समय के साथ बावड़ियां, कुएं और तालाब दुर्दशा के शिकार होते गए। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने भागीरथी प्रयास से इन बावड़ियों, तालाबों एवं बांधों की साफ-सफाई और संरक्षण के लिए एक पखवाड़े का वृहद स्तर पर अभियान चालू किया है। उन्होंने आमजन से इस अभियान से जुड़ने का आह्वान करते हुए कहा कि जब अमृत रूपी बरसाती पानी धरती पर गिरता है तो हम सबकी जिम्मेदारी बनती है कि उस पानी को संरक्षित करें और बचाएं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस पुनीत कार्य को आगे बढ़ाने के लिए प्रयासरत है। हम सब लोग भी अपने-अपने क्षेत्र में और दूरदराज के गांव-ढाणियों में नदी किनारों और तालाबों की पाल पर जाकर जनजागरण का काम करें।

शुकतीर्थ की विरासत 5,000 साल पुरानी, कोई अन्य धर्म ऐसा दावा नहीं कर सकता : आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुजफ्फरनगर/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि शुकतीर्थ सिर्फ न सिर्फ एक आध्यात्मिक स्थल है, बल्कि भारत की 5,000 वर्ष पुरानी सांस्कृतिक व धार्मिक विरासत का जीवंत प्रमाण है जो विश्व में अद्वितीय है।

संत स्वामी ज्ञान भिक्षुक दास जी महाराज की 65वीं पुण्यतिथि पर संत समूह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, जब मध्यकाल में देश विदेशी आक्रमणों से जूझ रहा था और इसकी संस्कृति और धर्म पर हमला हो रहा था, तब सतगुरु रविदास जी एक दिव्य प्रकाश के रूप में उभरे।

मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने कहा कि सतगुरु रविदास ने देश को आध्यात्मिक मार्गदर्शन प्रदान करते हुए उदाहरण प्रस्तुत किया, जो आज भी प्रासंगिक है।

योगी ने कहा, ''उन्होंने सामाजिक बुराइयों और अंधविश्वासों के खिलाफ जागरूकता फैलाई, कर्मकांड की बजाय कर्म में आस्था जगाई और आध्यात्मिक चेतना का प्रसार किया।'' उन्होंने संत की प्रसिद्ध उक्ति ''मन चंगा तो कठौती में गंगा'' का उल्लेख किया। आध्यात्मिक सभा में सतगुरु समनदास जी महाराज को भी याद किया गया।

एकजुट समाज के निर्माण में संतों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, ''संतों ने हमेशा एकता और सद्भाव का मार्ग दिखाया है। यही मार्ग कैराना और कांधला जैसी घटनाओं (पलायन की खबरें) को रोकता है, हमें सुरक्षा, मार्गदर्शन और विपरीत परिस्थितियों का सामना करने का साहस देता है।'' उन्होंने शुकतीर्थ को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि यह स्थान ''5,000 वर्षों से भी अधिक समय से अस्तित्व में है।''

मुख्यमंत्री ने कहा, '' यदि दुनिया में कोई परंपरा है जिसका इतना लंबा इतिहास दर्ज है, तो उसे सामने आने दीजिए। केवल आप (यहां मौजूद लोग और संत) ही ऐसी शाश्वत विरासत का दावा कर सकते हैं।''

शुकतीर्थ या शुक्रताल मुजफ्फरनगर में स्थित हैं जहां पूरे भारत से तीर्थयात्री आते हैं। यह वह स्थल है जिसके बारे में माना जाता है कि यहां शुकदेव गोस्वामी ने लगभग 5,000 साल पहले अभिमन्यु के पुत्र राजा परीक्षित को श्रीमद्भागवतम सुनाया था।

गंगा नदी के किनारे बसा यह पवित्र स्थान मुजफ्फरनगर से लगभग 28 किलोमीटर दूर है।

संभल में एक जिला, पांच नदियां परियोजना की आधारशिला रखी गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संभल (उप्र)/भाषा। संभल में पांच नदियों के पुनरुद्धार और कायाकल्प की दिशा में कदम उठाते हुए बुधवार को महत्वाकांक्षी एक जिला, पांच नदियां परियोजना की आधारशिला रखी गई।

जिलाधिकारी राजेंद्र पेंसिया ने कहा, संभल में नदी पुनरुद्धार कार्यक्रम पिछले कुछ महीनों से सक्रिय रूप से जारी है और आज इसका आधिकारिक आधारशिला समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के तहत उठाए कदमों के बारे में जिलाधिकारी ने कहा कि सोत नदी के कायाकल्प का काम जारी है, जो 171 ग्राम पंचायतों से होकर बहने वाली 112 किलोमीटर लंबी नदी है। महावा नदी पर कायाकल्प का काम जारी है, जो 42 किलोमीटर लंबी है। अधिकारी ने कहा कि इसके अलावा 14 किलोमीटर लंबी वर्धा मार नदी, 18 किलोमीटर लंबी महिष्मती नदी और 22 किलोमीटर लंबी एक अन्य पर भी काम जारी है। ये सभी नदियां मौसमी हैं, लेकिन मानसून के दौरान पानी के नीचे के भंडार और अतिरिक्त पानी को निकालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। जिलाधिकारी पेंसिया ने कहा कि इन पांच नदियों पर लगभग 60 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है, और शेष कार्य मौजूदा वित्तीय वर्ष में पूरा करने की योजना है।

कुकरैल की तर्ज पर पुनर्जीवित की जाएगी शाहजहांपुर की भैंसी नदी

शाहजहांपुर (उप्र)/भाषा। शाहजहांपुर जिले में अपना अस्तित्व खो चुकी पौराणिक महत्व की भैंसी नदी को लखनऊ की कुकरैल नदी की तर्ज पर पुनर्जीवित किया जाएगा। नदी के ज्यादातर हिस्से को पाटकर उस पर खेती की जा रही है जिससे उसका अस्तित्व खत्म हो गया है। जिला प्रशासन ने सरकारी धन के बजाय जन सहयोग से भैंसी नदी के पुनरुद्धार का फैसला किया है और इसके लिये सर्वे का काम भी पूरा कर लिया गया है। जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने बुधवार को 'पीटीआई भाषा' को बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के विभिन्न जिलों में विलुप्त हो चुकी नदियों में से कम से कम एक नदी के पुनरुद्धार का आदेश दिया गया है। इसी क्रम में हमने भैंसी नदी को चुना है जिसका अपना पौराणिक महत्व भी बताया जाता है।

कोलकाता के नजदीक भीड़ ने पुलिस पर किया हमला, कई पुलिसकर्मी घायल

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता से कुछ किलोमीटर दूर रबींद्रनगर इलाके में भीड़ ने पुलिस पर हमला करने के साथ वाहनों में तोड़फोड़ की, जिसमें कई पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े। यह घटना एक स्थानीय मुद्दे को लेकर दो समूहों के बीच झड़प के बाद हुई।

पुलिस के मुताबिक भीड़ ने दक्षिण 24 परगना जिले के रबींद्रनगर पुलिस थाने के सामने एक मोटरसाइकिल में आग लगा दी। अधिकारी ने बताया कि हमलावरों ने पुलिस वाहनों पर पथराव किया और एक गश्ती कार का शीशा तोड़ दिया। इस हमले में कई अधिकारी घायल हो गए। घायलों में एक महिला कांस्टेबल भी शामिल है, जिसके सिर पर ईंट लगने से चोट आई है। कई अन्य पुलिसकर्मी भी पत्थरबाजी में घायल हुए और खून से लथपथ देखे गए। हिंसा लगभग एक घंटे तक जारी रही। इसके बाद बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों को मौके पर भेजा गया। पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए कई राउंड आंसू गैस के गोले दागे। अधिकारी ने बताया कि सुरक्षाबलों ने धीरे-धीरे भीड़ को पीछे धकेलते हुए इलाके में सड़क को खाली कराने का प्रयास किया।

शिलांग की अदालत ने सोनम, उसके साथियों को आठ दिन की पुलिस हिरासत में भेजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिलांग/भाषा। मेघालय में हनीमून के दौरान पति राजा रघुवंशी की हत्या के आरोप में गिरफ्तार सोनम रघुवंशी और उसके चार अन्य साथियों को शिलांग की एक अदालत ने बुधवार को आठ दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सोनम को मंगलवार देर रात पूर्वोत्तर राज्य लाया गया, जबकि चार अन्य को ट्रांजिट रिमांड पर बुधवार को यहां लाया गया।

पूर्वी खासी हिल्स जिले के पुलिस अधीक्षक विवेक सायम ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''पुलिस ने सभी आरोपियों की 10 दिन की रिमांड का अनुरोध किया था। अदालत ने आठ दिन की पुलिस हिरासत मंजूर की।''

इंदौर निवासी ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी पत्नी सोनम (24) के साथ हनीमून मनाने मेघालय आये थे और इसी दौरान वारदात को अंजाम दिया गया। सोनम को उत्तर प्रदेश के गाजीपुर से गिरफ्तार किया गया,

जबकि उसके साथियों को राजा रघुवंशी की हत्या की साजिश रचने में कथित भूमिका के लिए मध्य प्रदेश के इंदौर से गिरफ्तार किया गया।

अधिकारी ने बताया कि विशेष जांच दल (एसआईटी) ने सोहरा में अपराध स्थल पर घटना की कड़ियां जोड़ने और अपराध का दृश्य दोहराने के लिए आरोपियों की पुलिस हिरासत का अनुरोध किया था।

राजा रघुवंशी और उनकी पत्नी सोनम 23 मई को मेघालय के सोहरा इलाके में हनीमून मनाने के दौरान लापता हो गए थे। राजा का शव दो जून को एक खड्ड में मिला था।

सोनम ने राजा से कहा कि उन्हें शादी को 'परिपूर्ण' करने से पहले कामाख्या मंदिर जाना चाहिए : जांचकर्ता

शिलांग/भाषा। मेघालय में हनीमून के दौरान मारे गए इंदौर निवासी राजा रघुवंशी से उसकी पत्नी सोनम ने कहा था कि वह गुवाहाटी के कामाख्या मंदिर में पूजा-अर्चना करने के बाद उसके साथ शारीरिक संबंधों के जरिए विवाह को परिपूर्ण करेगी। जांचकर्ताओं ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि तदनुसार, राजा ने हनीमून के लिए गुवाहाटी और निकटवर्ती मेघालय की यात्रा की योजना बनाई, जबकि उसकी पत्नी और उसके प्रेमी ने पूर्वोत्तर राज्य के जंगलों में इसके दूरदराज होने की वजह से कथित तौर पर उसकी (राजा की) हत्या की साजिश रची। जांच से जुड़े एक पुलिस अधिकारी ने कहा, ''सोनम ने अपने पति राजा को इस बात के लिए राजी किया कि शारीरिक संबंधों के जरिए शादी को परिपूर्ण करने से पहले उन्हें कामाख्या देवी मंदिर में पूजा-अर्चना करनी चाहिए।'' सोनम और राजा की शादी 11 मई को इंदौर में हुई थी और वे 20 मई को असम के गुवाहाटी होते हुए मेघालय पहुंचे थे।

पटना के पहले 'डबल-डेक फ्लाईओवर' का उद्घाटन किया नीतीश कुमार ने

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को यहां एक समारोह में शहर के पहले 'एलिवेटेड कॉरिडोर' या 'डबल-डेक फ्लाईओवर' का उद्घाटन किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि तेजी से आगे बढ़ रही 'पटना मेट्रो' परियोजना के साथ इस 'डबल-डेक फ्लाईओवर' की कनेक्टिविटी से शहर का यातायात प्रबंधन और मजबूत होगा।

मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, इस फ्लाईओवर का निर्माण बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड द्वारा 422 करोड़ रुपए की लागत से किया गया है। बयान में कहा गया है, ''उद्घाटन के बाद मुख्यमंत्री ने गांधी मैदान के पास कारगिल चौक से साइंस कॉलेज और साइंस कॉलेज से कारगिल चौक तक डबल डेकर फ्लाईओवर का निरीक्षण किया। उन्होंने पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (पीएमसीएच) से इसकी कनेक्टिविटी के बारे में भी जानकारी ली।'' इस फ्लाईओवर का निर्माण अशोक राजपथ के ऊपर दो लेयर (डेक) में किया गया है जो गांधी मैदान के पास कारगिल चौक से शुरू होकर पीएमसीएच से साइंस कॉलेज तक जाता है। बयान में कहा गया है, ''गांधी मैदान से साइंस कॉलेज तक एलिवेटेड कॉरिडोर का ऊपरी डेक (टियर-दो) 2175.50 मीटर है। ऊपरी डेक (टियर-दो) गांधी मैदान से साइंस कॉलेज जाने वाले वाहनों के लिए है। निचला डेक (टियर-एक) 1449.30 मीटर लंबा है, जो गांधी मैदान से पटना कॉलेज जाने वाले वाहनों के लिए है। इस पथ के डेक की चौड़ाई 8.5 मीटर है।'' मुख्यमंत्री ने राजकीय उर्दू लाइब्रेरी, पटना के भवन का भी उद्घाटन किया। नए भवन का निर्माण 3.7 करोड़ रुपए की लागत से किया गया है। उद्घाटन के बाद मुख्यमंत्री ने नए भवन का निरीक्षण किया और वहां की व्यवस्थाओं की जानकारी ली। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा, जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन, शिक्षा मंत्री सुनील कुमार और राज्य सरकार के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मणिपुर में लोकप्रिय सरकार स्थापित करना चाहती है केंद्र सरकार: पूर्व मुख्यमंत्री बीरेन सिंह

इंफाल/भाषा। मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने बुधवार को कहा कि जनता की तरह केंद्र सरकार भी राज्य में एक लोकप्रिय सरकार की स्थापना चाहती है। सिंह ने हाल में नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ बैठक की थी। फरवरी में सिंह के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद मणिपुर में वर्तमान में राष्ट्रपति शासन है। राज्यसभा सदस्य लीशेम्बा सनाजाओबा के साथ सिंह राज्य की मौजूदा स्थिति के बारे में केंद्रीय नेताओं को जानकारी देने के लिए सोमवार को नई दिल्ली गए थे। मणिपुर में मई 2023 से भड़की जातीय हिंसा में अब तक कम से कम 260 लोगों की मौत हुई है और हज़ारों लोग बेघर हो गए। सिंह ने कहा, ''हमने नौ जून की रात को शाह से मुलाकात की। अगले दिन हमने फिर एक घंटे से अधिक समय तक बैठक की। मैंने गृह मंत्री को बंद, आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों और राजमार्गों पर मुक्त आवाजाही पर प्रतिबंध सहित विभिन्न मुद्दों से अवगत कराया।'' पूर्व मुख्यमंत्री, राष्ट्रीय राजधानी से लौटने पर इंफाल हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। सिंह ने कहा, ''मैंने उन्हें (शाह को) राज्य में एक लोकप्रिय सरकार के लिए लोगों की इच्छा से भी अवगत कराया। शाह ने कहा कि केंद्र सरकार भी यही चाहती है और स्थिति का आंकलन करने के बाद जल्द ही इस पर विचार करेगी।'' उन्होंने कहा कि विभिन्न समुदायों के प्रतिनिधियों की बैठक बुलाने की प्रक्रिया जारी है।

लालू प्रसाद ने पटना में परिवार और पार्टी नेताओं के साथ अपना 78वां जन्मदिन मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो लालू प्रसाद ने पटना में बुधवार को अपने परिवार के साथ केक काटकर अपना 78वं जन्मदिन मनाया।

प्रसाद ने बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के 10 सर्कुलर रोड स्थित आधिकारिक आवास पर अपना जन्मदिन मनाया, जहां उनके परिवार के सदस्य और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता उपस्थित थे। उन्होंने 10 सर्कुलर रोड पर पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा लाए गए 78 किलोग्राम के केक को भी तलवार से काटा। सोशल मीडिया पर इसका वीडियो प्रसारित हो रहा है। पार्टी सुप्रीमो का जन्मदिन मनाने के लिए राबड़ी देवी के आवास के बाहर बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता जमा हो गए। उत्साहित पार्टी कार्यकर्ताओं ने इस अवसर पर नृत्य किया और मिठाइयां बांटी। अन्य राजनीतिक हलकों से उन्हें बधाइयां मिलीं। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने भी लालू प्रसाद को शुभकामनाएं दीं।

तमिनाडु के मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष थिरू लालू प्रसाद को जन्मदिन की शुभकामनाएं। वह भारतीय राजनीति में एक अग्रणी शक्ति रहे हैं, जिन्होंने हाशिए पर पड़े लोगों को सत्ता के केंद्र में रखा है।'' उन्होंने कहा कि मंडल आयोग की सिफारिशों को दृढ़ता से लागू कर और सांप्रदायिक ताकतों के खिलाफ मजबूती से खड़े होकर, उन्होंने सामाजिक न्याय पर राष्ट्रीय विमर्श को नया स्वरूप दिया। उनके अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घायु होने की कामना करता हूं। लालू की बेटी रोहिणी आचार्य ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''हमारी सबसे बड़ी प्रेरणा, हमारी ताकत, हमारे कवच, हमारे आदर्श, हमारे गौरव, हमारे मार्गदर्शक, हमारे सुपरमैन, हमारे पापा को जन्मदिन की अनंत शुभकामनाएं ...। हैप्पी बर्थडे पापा।'' राजद की बिहार इकाई के प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने बताया कि राज्य के अन्य हिस्सों में भी सामूहिक भोज का आयोजन किया जा रहा है।

भाजपा नीत केंद्र सरकार के 11 वर्षों के शासन में झारखंड के लोगों का संघर्ष बढ़ा: झामुमो

रांची/भाषा। सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने बुधवार को आरोप लगाया कि भाजपा नीत केंद्र सरकार के 11 साल के शासन में केवल झारखंड के लोगों का संघर्ष और उनके अनुत्तरित सवालों की फेहरिस्त बढ़ी है। झामुमो ने आरोप लगाया, ''मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के 11 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में भाजपा ने पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी को तथाकथित 'उपलब्धियों' को रेखांकित करने के लिए झारखंड भेजा है। लेकिन यहां जमीनी हकीकत जश्न जैसी नहीं है।

ईरानी ने मंगलवार को केंद्र सरकार की कई उपलब्धियां गिनाते हुए दावा किया था कि इस अवधि के दौरान 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला गया है। झामुमो प्रवक्ता और केंद्रीय समिति के सदस्य डॉ. तनुज खत्री ने आरोप लगाया कि झारखंड विधानसभा ने सरना धार्मिक संहिता को मान्यता देने की मांग करते हुए आम राय से प्रस्ताव पारित किया, लेकिन अभी तक केंद्र सरकार ने कोई सार्थक कार्रवाई नहीं की है। खत्री ने कहा कि यह न केवल एक प्रशासनिक चूक है, बल्कि आदिवासी समुदायों की पहचान और उनके सम्मान को जानबूझकर नकारना है। उन्होंने कहा कि मणिपुर में लंबे समय से जारी हिंसा, खास तौर पर महिलाओं के साथ होने वाली क्रूरता ने सरकार की उदासीनता को उजागर किया है। खत्री ने कहा, ''ऐसे गंभीर संवैधानिक संकट के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की चुप्पी न केवल प्रशासनिक विफलता बल्कि नैतिक दिवालियापन को भी दर्शाती है।''

विरोध प्रदर्शन प्रबंधन के लिए मणिपुर पुलिस का अनोखा तरीका, आरोपियों को थमाए झाड़ू व फावड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/भाषा। मणिपुर पुलिस ने पारंपरिक पुलिसिंग में एक नये बदलाव के तहत सात जून से होने वाले हिंसक विरोध प्रदर्शनों के दौरान घाटी के विभिन्न जिलों में हिरासत में लिए गए सैकड़ों युवाओं के लिए सामुदायिक सेवा कार्यक्रम शुरु करते हुए उनके हाथों में झाड़ू और फावड़े थमा दिये हैं।

यह अनूठा दृष्टिकोण मणिपुर पुलिस और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के संयुक्त अभियान के दौरान अरामबाई तेंगोल के प्रमुख नेता एवं कई मामलों में वांछित असीम कानन सिंह और उनके चार सहयोगियों की गिरफ्तारी के बाद सड़कों पर देखी गई अशांति के बाद अपनाया गया है। विरोध प्रदर्शन के दौरान लोगों ने सिंह और अन्य की बिना शर्त रिहायी की मांग की। बाद में अरामबाई तेंगोल ने 10 दिनों का बंद आहूत किया, जिसे अंततः मंगलवार को वापस ले लिया गया।

औपचारिक आरोपों का सामना करने के बजाय, जो उनके भविष्य को प्रभावित कर सकता था, 36 से अधिक युवा सड़कों पर उतरे, दंगाई के रूप में नहीं, बल्कि सफाईकर्मी के रूप में। हाल में लागू भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) के अभिनव प्रावधानों का लाभ उठाते हुए, मणिपुर पुलिस ने उनके हाथों में झाड़ और फावड़े थमाये और विरोध प्रदर्शनों के दौरान उनके या अन्य लोगों द्वारा लगाये उन अवरोध, जले हुए टायर और कंक्रीट के मलबे को हटाने में लगा दिया। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि यह अपरंपरागत कदम इन गुमराह युवाओं के करियर को सुरक्षित रखने के लिए जानबूझकर उठाया गया है।

बीएनएसएस की धारा 4(एफ) का हवाला देते हुए, अधिकारी दंडात्मक उपायों के बजाय पुनर्वास का रास्ता प्रदान कर रहे हैं। यह धारा मामूली कदाचार में लिप्त पहली बार अपराध करने वालों के लिए सामुदायिक सेवा की सलाह देती है। व्यापक रूप से साझा की गई तस्वीरों और वीडियो में हिरासत में लिए गए युवा सड़कों पर झाड़ू लगाते और तीन दिवसीय विरोध प्रदर्शन के दौरान जमा हुई गंदगी को साफ करते दिखे।

प्रधानमंत्री के 11 साल विफलताओं और जन विरोधी नीतियों का शानदार स्मारक हैं : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार पर सभी मोर्चों पर विफल रहने का आरोप लगाया और कहा कि इस सरकार के पिछले 11 साल विफलताओं और जन विरोधी नीतियों का शानदार स्मारक हैं।

पार्टी महासचिव और छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मोदी सरकार के 11 साल पूरा होने के अवसर पर उसकी 11 विफलताओं का उल्लेख किया। बघेल ने संवादाताओं से बातचीत में आरोप लगाया, नरेन्द्र मोदी के 11 साल- विफलताओं और जन विरोधी नीतियों का शानदार स्मारक हैं। उन्होंने शुरुआत में लोगों को सपने दिखाए और 11 साल पूरे होते-होते सिंदूर उजाड़ने तक पहुंच गए। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेता इन 11 वर्षों का खूब ढोल पीट रहे हैं, लेकिन अगर देखें कि 11 साल में आपको क्या मिला है

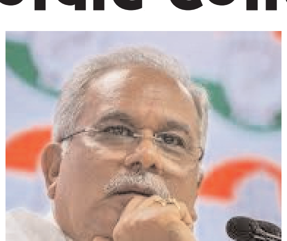

तो पाएंगे कि भाजपा सरकार की सारी योजनाएं विफल हो गई हैं।

कांग्रेस नेता ने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी की पूरी राजनीतिक यात्रा विघटन और विभाजन की रही है। बघेल ने कहा, भाजपा सरकार के 11 साल के कार्यकाल में पूरा देश असुरक्षित महसूस कर रहा है, क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी कभी कहते हैं कि लोगों की कपड़ों से पहचान हो जाती है, कभी पंचर बनाने वाली बातें करते हैं, कभी श्मशान और कब्रिस्तान की बात करते हैं, आदिवासी-दलितों पर अत्याचार से वह विचलित नहीं होते, लोगों का अपमान करने में उन्हें मजा आता है और उनके लोग जनता को प्रताड़ित करते हैं, फिर भी किसी के ऊपर कोई कार्रवाई नहीं होती । उन्होंने सरकार पर विदेश नीति को लेकर भी विफल रहने का आरोप लगाया।

कांग्रेस महासचिव ने कहा, भारत की अपनी विदेश नीति रही है। जवाहरलाल नेहरू के कार्यकाल से लेकर मनमोहन सिंह तक इस नीति में कभी कोई परिवर्तन नहीं आया, जिसके कारण पूरी दुनिया के लोग भारत की आवाज को गंभीरता से सुनते भी थे और जुड़ते भी थे। लेकिन हाल ही में जो आतंकवादी घटना घटी, पूरी दुनिया ने उसकी आलोचना तो की, लेकिन कोई देश हमारे साथ खड़ा नहीं हुआ।

सुविचार

प्रेम की असली परिभाषा राधा ने बिना शब्दों के समझाई, जैसे फूल बिना कहे ही अपनी खुशबू बिखेरता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सबक और सतर्कता से रोकें भगदड़

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार का यह बयान स्वागत योग्य है कि राज्य ने हाल की भगदड़ से सबक लिया है और भविष्य में सार्वजनिक सभाओं के प्रबंधन के लिए कानून लाने पर विचार किया जा रहा है। इस संबंध में न सिर्फ कर्नाटक, बल्कि हर राज्य और केंद्रशासित प्रदेश को सोचना चाहिए। भगदड़ जैसी घटनाओं को टाला जा सकता है, बशर्ते सतर्कता दिखाते हुए जरूरी इंतजाम पहले ही कर लिए जाएं। इसके लिए परिस्थितियों और संसाधनों को ध्यान में रखते हुए एक विस्तृत नियमावली तैयार करनी होगी। किसी भी सार्वजनिक कार्यक्रम के आयोजकों के लिए उसका पालन करना अनिवार्य होना चाहिए। सबसे पहले तो यह जरूरी है कि आयोजन स्थल पर उसकी क्षमता से कुछ कम लोगों को ही प्रवेश दिया जाए। अगर ओवर क्राउडिंग होगी तो हादसे की आशंका होगी। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पर्याप्त संख्या में बैरियर, रस्सियां आदि लगाकर अलग-अलग कतारें बनाना बेहतर होता है। प्रवेश और निकास के लिए पर्याप्त संख्या में द्वार होने चाहिएं। कई जगह इस वजह से धक्कामुक्की की घटनाएं हो जाती हैं, क्योंकि द्वार बहुत संकरे और कम संख्या में थे। आयोजन स्थल पर प्रशिक्षित सुरक्षाकर्मियों को तैनात करने से भीड़ नियंत्रण में सहायता मिलती है, लेकिन कार्यक्रम की योजना बनाते समय जोखिम का आकलन जरूर करना चाहिए। रास्ते संकरे हैं या चौड़े, आस-पास बिजली के तार तो नहीं हैं, कोई कुआं, गड्ढा या तालाब तो नहीं है, क्या रेलवे की पटरियां नजदीक हैं, क्या वहां ज्वलनशील सामग्री मौजूद है ... जैसे जोखिमों का पहले ही आकलन कर लेना चाहिए।

आयोजन स्थल पर अग्निशमन यंत्र रखना अनिवार्य होना चाहिए। कई बार आयोजक यह सोचकर इंतजाम नहीं करते कि आज तक कभी जरूरत नहीं हुई तो आगे भी नहीं होगी। हादसे सूचना देकर नहीं आते। आयोजकों को चाहिए कि वे प्राथमिक चिकित्सा की व्यवस्था रखें और अस्पतालों के साथ भी समन्वय बनाकर रखें, ताकि आपात स्थिति में मदद मिलने में आसानी हो। जिस दिन आयोजन हो, उससे पहले ही लोगों के लिए नक्शानुमा एक तस्वीर सोशल मीडिया, वॉट्सऐप ग्रुप आदि में पोस्ट कर देनी चाहिए, जिसमें सभी महत्त्वपूर्ण स्थानों के बारे में बताया गया हो। उस पर जरूरी फोन नंबर दिए जा सकते हैं। साइनबोर्ड लगाने से भी लोगों के लिए सुविधा होगी। जब एक जगह हजारों या लाखों लोग इकट्ठे होते हैं तो सुरक्षा जोखिम बहुत बढ़ जाता है। वहां मामूली-सी भगदड़, अफवाह, धक्कामुक्की, भ्रम से भारी नुकसान हो सकता है। कई बार ऐसा देखने में आता है कि कतार में सबसे पीछे खड़े लोगों में से किसी ने जल्दबाजी के कारण धक्का दिया तो कई लोग नीचे गिर गए। उसका असर आगे खड़े लोगों तक पहुंच सकता है। इस समस्या का समाधान उस भीड़ को छोटे-छोटे समूहों में बांटकर किया जा सकता है। छोटे समूहों को नियंत्रित करना आसान होता है। अगर उस दौरान कोई 'घटना' हुई भी तो उसका असर सीमित रहेगा। सीसीटीवी कैमरों तथा ड्रोन से आयोजन स्थल की निगरानी करने और ऑनलाइन बुकिंग के जरिए टाइम स्लॉटेड एंट्री देने से व्यवस्थाओं को सुविधाजनक बनाया जा सकता है। किसी भी आयोजन से पहले आयोजकों और स्वयंसेवकों के लिए भीड़ प्रबंधन एवं आपातकालीन प्रतिक्रिया का प्रशिक्षण जरूरी होना चाहिए। खेलकूद, मनोरंजन और ऐसे कार्यक्रम जिनमें उत्साह या जश्न का माहौल होता है, वहां अतिरिक्त सावधानी बरतनी चाहिए। प्राय: ऐसे मौकों पर भावनाएं हावी रहती हैं और अनुशासन कमजोर पड़ जाता है। कुछ लोग हर जगह ही बेवजह जल्दबाजी मचाते रहते हैं। उनके सार्वजनिक व्यवहार में सुधार की ओर ध्यान देना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महानायक, माँ भारती के अनन्य उपासक, अमर क्रांतिकारी राम प्रसाद बिस्मिल जी की जयंती पर उन्हें कोटिश: नमन। उनका तेजस्वी और क्रांतिकारी जीवन आने वाली पीढ़ियों को सदैव मातृभूमि की सेवा हेतु प्रेरणा प्रदान करता रहेगा।

–भजनलाल शर्मा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बीते 11 वर्ष भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में जनसेवा, राष्ट्रनिर्माण और सुशासन की एक नई धारा के रूप में दर्ज हुए हैं। 2014 में जब देश ने उन्हें नेतृत्व सौंपा, तब भारत गहरी नीति-गत स्थिरता, भ्रष्टाचार और दिशाहीन शासन का शिकार था।

–वसुंधराराजे

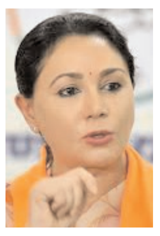

दौसा-मनोहरपुर हाईवे पर हुई सड़क दुर्घटना में जनहानि एवं कई लोगों के घायल होने का समाचार अत्यंत दुखदायी है ईश्वर दिवंगत आत्माओं को अपने श्री चरणों में स्थान प्रदान करें। दु:ख की इस घड़ी में शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी गहन संवेदना व्यक्त करती हूं।

–दीया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

मुक्ति की राह

बुद्ध एक गांव में ठहरे हुए थे। उसी गांव में उस राज्य के राजा का हाथी, जो अब बूढ़ा हो चुका था, तालाब पर पानी पीने गया और कीचड़ में फंस गया। जितनी चेष्टा करता, उतना ही वह कीचड़ में गहराता चला गया। नए महावत भेजे गए। उन्होंने उसे बड़े-बड़े भालों आदि से चुभाकर निकालने की कोशिश की, लेकिन सब बेकार साबित हुआ। राजा बहुत दुखी हो गया। उसने हाथी के पुराने महावत को बुलाने का आदेश दिया। बूढ़ा महावत आया। तभी बुद्ध के शिष्य भी वहां इकट्ठे हो गए। बूढ़ा महावत हंसा और बोला, 'यह क्या कर रहे हो? उसे मार डालोगे?' फिर उसने कहा, 'युद्ध का नगाड़ा बजाओ।' युद्ध का नगाड़ा बजते ही हाथी एक छलांग में बाहर आ गया। वह भूल गया कि वह बूढ़ा व कमजोर है। हाथी में फिर जवान जैसी ऊर्जा आ गई। घटना के बाद बुद्ध के शिष्यों ने बुद्ध से कहा, 'भगवान, हमने एक अभूतपूर्व चमत्कार देखा।' बुद्ध ने कहा, 'अभूतपूर्व कुछ भी नहीं है। तुममें भी मेरी आवाज सुनकर वे ही निकल पाएंगे, जो सूरमा हैं। यही तो मैं भी कर रहा हूं! तुम कीचड़ में फंसे हो और मैं रणभेरी बजा रहा हूं। तुममें से जो हिम्मतवर हैं, जिनमें थोड़ी-सी भी क्षमता और साहस है, वे इस जीवन रूपी कीचड़ से निकल आएंगे।'

सामयिक

दरकते रिश्ते, शर्मसार समाज और पतिहंता नवविवाहिताएं

मनोज कुमार अग्रवाल
मोबाइल : 9219179431

क्या यह वही भारतीय समाज है जिसकी ललनाएं विवाह को सात जन्म का पवित्र सम्बन्ध मानकर यमराज से भी टकराने का साहस करती थी ऐसे एक नहीं लाखों उदाहरण है जिनमें विपरीत परिस्थितियों में भी अपने पति की प्राण रक्षा के लिए अनेक कष्ट सहन कर अपनी जान की भी बाजी लगा दी लेकिन सतीत्व की रक्षा की। लेकिन बोये पेड़ बबूल का तो आम कहां से होए यह वो समय था जब भारतीय समाज की लड़कियां शैशव काल से सीता सावित्री गार्गी और लक्ष्मी बाई की चरित्र गाथाओं को पढ़ने सुनने के बाद अपने चरित्र को सर्वोच्चता देती थी लेकिन आज दौर बदल चुका है एकता कपूर के सीरियलों में कई पुरुषों के साथ वर्जित संबंधों और ओटीटी प्लेटफार्म पर परोसे जा रहे सेक्स और हिंसा को देख कर पैदा और परवरिश पा रही पीढ़ी की लड़कियों को समझ नहीं आ रहा है कि सीरियलों में दर्शाये गए विवाह पूर्व प्यार सेक्स लिव-इन और विवाहेत्तर संबंधो में कौन सा रिश्ता सत्य है? बिन फेरे हम तेरे लिव-इन रिलेशन को मान्यता दे रही अदालतों और मूकदर्शक बने समाज में लोकलाज का भय समाप्त हो गया है और प्रकृति प्रदत्त सुकुमार कोमल और जल्द भ्रमित होने वाली जींस को लेकर जन्म लेने वाली लड़कियां एक बेहद भोगी कामातुर सोशल मीडिया पर रील बनाने में लगे समाज में दिग्भ्रमित होकर जाने अनजाने अपराध के रास्ते पर भटक रहीं हैं और रिश्तों का कत्ल करने से नहीं चूक रहीं हैं। इस बदलते सामाजिक परिवेश में रिश्तों को तार-तार करने वाली घटनाएं लगातार बढ़ती ही जा रही है, जो बेहद चिंता जनक है। हाल में ऐसी ही एक घटना मेघालय के रमणीय पर्यटक स्थल शिलांग से सटे चेरापूंजी में सामने आयी है, जो मानवता को झकझोरने वाली है। इंदौर के नव विवाहित युवक राजा रघुवंशी की हत्या मामले में जो सच्चाई सामने आयी है, उसने पूरे देश को चौंका दिया है। ये पूरा मामला प्यार, शादी और धोखे का ऐसा मिश्रण है, जिसने समूचे देश को झकझोर दिया है। भारतीय समाज में शादी के बंधन को सात जन्मों का साथ माना जाता रहा है, पर आजकल के रिश्ते सात जन्म तो दूर ठीक से सात दिन सात हफ्ते में ही दरक रहे हैं। पुलिस खुलासे में पत्नी सोनम रघुवंशी ही इस हत्याकांड की मुख्य साजिश कर्ता के तौर पर सामने आई है। बताया जा रहा कि सोनम ने अपने फर्म के ही कर्मचारी प्रेमी राज कुशवाह के साथ मिलकर पति की हत्या की साजिश रची। शादी से पहले सोनम और राज के बीच प्यार था। लेकिन घरवालों ने उसकी शादी राजा से करवा दी। पुलिस का आरोप है कि पत्नी सोनम ने ही राजा को रास्ते से हटाने के लिए ये साजिश रची। इस पूरे घटनाक्रम ने लोगों को सोचने पर मजबूर कर दिया कि आखिर किस पर भरोसा करें। जब पनी ही अपने सुहाग की कातिल बन जाए तो शादी जैसे पवित्र रिश्ते पर कैसे भरोसा किया जाएगा। राजा रघुवंशी और सोनम की शादी 11 मई को इंदौर में बड़े धूमधाम से हुई थी। शादी के वीडियो में राजा और सोनम बेहद खुश नजर आ रहे। वो डांस करते दिख रहे। शादी के बाद सोनम ने ही हनीमून के लिए शिलॉन्ग की टिकट कराई थी। हालांकि, राजा रघुवंशी का हनीमून पर जाने का प्लान नहीं था। लेकिन पत्नी की जिद के आगे वो तैयार हो गया। जानकारी ये भी आ रही कि सोनम ने वापसी को लेकर टिकट नहीं कराया था। मेघालय पहुंचने के बाद 23 मई को अचानक ही राजा रघुवंशी और सोनम लापता हो गए। फिर राजा की लाश तो मिली लेकिन सोनम का पता नहीं चला। 9 जून की सुबह-सुबह खबर आई कि सोनम यूपी के गाजीपुर में एक दावे के पास देखी गई। इसके बाद उसने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। यह मामला केवल एक हत्याकांड नहीं, बल्कि सामाजिक दवाव, मनोवैज्ञानिक जटिलताओं, और संगठित अपराध के संभावित नेटवर्क का एक जटिल मिश्रण है। देखा जाए तो समाज में पहले यह सुनने को मिलता था कि पति ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी है, लेकिन कुछ समय से इसके विपरीत खबरे आ रही है। इस साल में कई पत्नियों ने अपने पतियों को मौत के घाट उतरवा दिया। रिश्ते और भरोसे के कत्ल की यह पहली वारदात नहीं है। इससे पहले मेरठ का सौरभ हत्याकांड सामने आया था। इसी साल 3 मार्च 25 को मेरठ उत्तर प्रदेश की मुस्कान ने अपने प्रेमी साहिल के साथ मिलकर सौरभ की हत्या कर दी थी। उसके शव के कई टुकड़े कर नीले ड्रम में सीमेंट के साथ डाल दिया था। फिर मुस्कान और साहिल घूमने चले गए। जब दोनों लौटे तब सौरभ की हत्या का खुलासा हुआ, फिलहाल दोनों जेल में बंद है।

साल 2025 के अप्रैल के महीने में उत्तर प्रदेश के देवरिया में दिल दहला देने वाली घटना हुई. यहा एक महिला ने अपने प्रेमी की मदद से अपने पति की हत्या कर दी और शव को दो टुकड़ों में काटकर ट्रॉली बैग में भरकर ठिकाने लगाने की कोशिश की। 38 वर्षीय नौशाद अहमद नामक पीड़ित 10 दिन पहले ही दुबई से लौटा था. मईल थाना क्षेत्र के भटौली गांव में उसके घर से करीब 55 किलोमीटर दूर तरकुलवा थाना क्षेत्र के एक खेत में उसका क्षत-विक्षत शव मिला था। मेरठ में ही अमित कुमार की हत्या उसकी पत्नी रविता ने अपने प्रेमी अमरदीप के साथ मिलकर कर दी थी। इस हत्या को हादसा साबित करने के लिए रविता ने अमित के शव के पास सांप रख दिया था और लोगों को बताने लगी कि अमित की सांप के काटने से मौत हुई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद रविता का झूठ पकड़ा गया। उसने अपने प्रेमी अमरदीप के साथ मिलकर अमित की गला घोंटकर हत्या की थी। इसी साल बिजनौर में भी पत्नी ने अपने पति की हत्या कर दी। रेलवे में कर्मचारी दीपक कुमार की संदिग्ध परिस्थिति में लाश मिली थी। पत्नी शिवानी ने ससुराल वालों को बताया कि दीपक की हार्ट अटैक से मौत हुई है। दीपक के परिवार वालों को शक हुआ तो वह लाश का पोस्टमार्टम कराने की मांग करने लगे। शिवानी ने पोस्टमार्टम से इनकार कर दिया। बाद में पुलिस ने जब पोस्टमार्टम कराया तो पता चला कि दीपक की गला घोंटकर हत्या की गई थी और पत्नी ही कातिल निकली। इसी साल मार्च में बिजनौर में एक और पत्नी ने अपने पति की हत्या करवा दी थी। 13 मार्च को होली के दिन मकरेंद्र अपनी पत्री पारुल की दवा लेने मार्केट गए थे, लेकिन वह वापस नहीं लौटे। 15 मार्च को मकरेंद्र की लाश अमरोहा में मिली। पुलिस की जांच में पता चला कि पारुल का प्रेम प्रसंग चल रहा था, मकरेंद्र को संदेह बना उसने नाराजगी जताई तो पारुल ने अपने प्रेमी विनीत के साथ मिलकर मकरेंद्र की हत्या करवा दी। पिछले एक साल के भीतर ऐसी कई घटनाएं सामने आयी हैं। अपराध और नैतिक पतन की ये घटनाएं यह दर्शाती हैं कि कहीं न कहीं हमारी सामाजिक संरचना, पारिवारिक मूल्य और मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर संकट है। ऐसी घटनाएं दर्शाती है कि समाज में रिश्तों की अहमियत धीरे-धीरे कम होती जा रही है और इसके कई कारण हो सकते हैं। पहले जहाँ रिश्तों में अपनापन, विश्वास और त्याग होता था, वहीं अब स्वार्थ, लालच और दिखावे ने उनकी जगह ले ली है। लोग नैतिकता और ईमानदारी को छोड़कर किसी भी तरह से धन और सफलता प्राप्त करने की कोशिश कर रहे हैं, चाहे उसके लिए उन्हें किसी की हत्या की क्यों न करना पड़ें। लोगों में नैतिकता और ईमानदारी घटती जा रही है और लालच, ईर्ष्या और व्यक्तिगत स्वार्थ बढ़ रहे हैं। समाज में जो घटनाएं हो रही हैं, उन्हें देखकर यही लगता है कि हम घोर कलयुग के उस दौर में प्रवेश कर चुके हैं जहाँ पहले रिश्ते, प्रेम, सम्मान और नैतिकता को महत्त्व दिया जाता था, वहीं अब स्वार्थ, लालच, क्रोध और हिंसा हावी होती जा रही हैं। क्या अब भारतीय समाज में इंसानियत,सहनशीलताऔर प्रेम धीरे-धीरे खत्म होती जा रही है।भारतीय समाज में नैतिक संस्कारों रिश्तों की मर्यादा और पवित्रता के मानवीय गुणों को किस तरह बनाए रखा जाए इस पर गहन विचार और व्यवहार की जरूरत है ताकि लड़के लड़कियों में समाज के लोकलाज का भय बने और रिश्तों की पवित्रता बनी रहे।

मुद्दा

दुनिया में पर्यावरण शरणार्थियों की बढ़ती समस्या

प्रमोद भार्गव
मोबाइल : 9981061100

दुनिया में प्राकृतिक आपदाओं के कारण पिछले एक दशक 2015 से 2024 के दौरान आंतरिक विस्थापन के कारण पर्यावरण शरणार्थियों की संख्या में बढ़ी वृद्धि दर्ज की गई है। इस कारण कुछ क्षेत्रों में अपेक्षाकृत अनेक बार प्राकृतिक आपदा के तीव्र और व्यापक खतरे उत्पन्न हुए। परिणामस्वरूप 210 देषों में 26.48 करोड़ लोगों को आंतरिक विस्थापन झेलना पड़ा है। जो न केवल एक रिकॉर्ड के रूप में सर्वाधिक है, बल्कि 2.65 करोड़ के दशकीय औसत से कहीं अधिक है। इस मामले में पूर्व और दक्षिण एशिया सबसे अधिक प्रभावी क्षेत्र रहे। देषों के स्तर पर बीते एक दशक में चीन, फिलीपींस, भारत, बांग्लादेश और अमेरिका में दर्ज विस्थापन के आंकड़े सबसे ज्यादा हैं। चीन में 4.69 और फिलीपींस में 4.61 करोड़ लोगों को अपने ही देश में विस्थापन का दर्द झेलना पड़ा है। इसी कालखंड में भारत में बाढ़, तूफान और भू-स्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाओं के चलते 3.23 करोड़ लोगों को आंतरिक विस्थापन का संकट उठाना पड़ा है। किसी देश के अंदर विस्थापित होने वाले लोगों की संख्या के लिहाज से चीन और फिलीपींस के बाद भारत विश्व में तीसरे स्थान पर हैं। जिनेवा स्थित आंतरिक विस्थापन निगरानी केंद्र (आईडीएमसी) की एक नई रपट में यह दावा किया गया है। रपट के मुताबिक वैश्विक स्तर पर 90 फीसदी आपदा जनित विस्थापन बाढ़ और तूफान का परिणाम रहा है। सबसे ज्यादा तूफान के कारण 12.09 करोड़ लोगों को विस्थापन की परेशानी उठानी पड़ी है। इसी अवधि में बाढ़ के कारण 11.48 करोड़ लोगों का विस्थापन हुआ। वर्ष 2020 में वैष्विक स्तर पर समुद्री तूफान से हुए लोगों के विस्थापन में अंफान सहित अन्य चक्रवातों की हिस्सेदारी 92 प्रतिशत रही। इस रिपोर्ट के अनुसार गरीब और निर्बल सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। उन्हें बार-बार और लंबे समय तक पलायन के लिए मजबूर होना पड़ा है। सामाजिक असमानता और आर्थिक विसंगति के कारण इन लोगों को इन प्राकृतिक आपदाओं का भीषण संकट झेलना पड़ा है। जलवायु परिवर्तन के कारण दुनियाभर में हर साल औसतन 3 करोड़ लोगों को समुद्र और नदी तटीय बाढ़, सूखा और चक्रवती तूफानों के चलते भविष्य में भी ऐसी आपदाओं से विस्थापन का संकट झेलना होगा। यानी पर्यावरण शरणार्थियों की संख्या भविष्य में और विकराल रूप में पेश आएगी।

जलवायु विषेशज्ञों का मानना है कि इस विराट व भयानक संकट के चलते यूरोप, एशिया और अफ्रीका का एक बड़ा भूभाग इंसानों के लिए रहने लायक ही नहीं रह जाएगा। तब लोगों को अपने मूल निवास स्थलों से जिस पैमाने पर विस्थापन या पलायन करना होगा, वह मानव इतिहास में अभूतपूर्व होगा। इस व्यापक परिवर्तन के चलते खाद्यान्न उत्पादन में भारी कमी आएगी। अकेले एशिया में कृषि को बहाल करने के लिए हर साल पांच अरब डॉलर का अतिरिक्त खर्च उठाना होगा। बावजूद इसके दुनिया के करोड़ों लोगों को भूख का अभिशाप झेलना होगा। प्रकृति के अंधाधुंध दोहन के दुष्परिणाम स्वरूप दुनियाभर में प्राकृतिक आपदाएं बढ़ रही हैं।

विज्ञान पत्रिका साइंस में प्रकाशित अध्ययन में कहा गया है कि यदि वैश्विक तापमान में दो डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होती है तो हिंदू कुश हिमालय के हिमखंडों की बर्फ इस सदी के अंत तक 75 प्रतिशत तक पिघल जाएगी। हिंदू कुश पर्वत के ये ग्लेशियर कई नदियों के उद्गम स्थल हैं और ये नदियां 2 अरब लोगों की आजीविका का साधन बनती हैं। यदि दुनिया के देश इस तापमान वृद्धि को पूर्व औद्योगिक स्तर से 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित कर सकें तो हिमालय और काकेशस पर्वत में स्थित हिमनदों की बर्फ 40 से 45 प्रतिशत सुरक्षित रह सकती है। इसके विपरीत यदि इस सदी के अंत तक दुनिया 2.60 डिग्री सेल्सियस गर्म होती है तो वैश्विक स्तर पर ग्लेशियर की बर्फ का केवल एक चौथाई हिस्सा ही बचेगा।

अध्ययन में कहा है कि मानव समुदायों के लिए सबसे अहम ग्लेशियर क्षेत्र जैसे कि यूरोपियन आल्प्स, पश्चिमी अमेरिका और कनाडा की पर्वत श्रृंखलाएं एवं आइसलैंड बुरी तरह से प्रभावित होंगे। दो डिग्री सेल्सियस तक तापमान पर यह क्षेत्र अपनी समूची बर्फ खो सकते हैं और 2020 के स्तर पर केवल 10-15 प्रतिशत ही बर्फ बची रह पाएगी। स्कैंडिनेविया पर्वत का भविष्य और भी भयावह हो सकता है, क्योंकि इस स्तर के तापमान में वहां के ग्लेशियरों पर बर्फ बचेगी ही नहीं। 2015 के पेरिस समझौते के द्वारा निर्धारित 1.5 डिग्री सेल्सियस के लक्ष्य तक तापमान को सीमित करने से सभी क्षेत्रों में कुछ ग्लेशियर पर बर्फ को संरक्षित करने में मदद मिलेगी। ये हालात मानव जीवन को अभूतपूर्व रूप में प्रभावित कर खतरे में डाल देंगे। इस कारण अकेले एशिया में 2 अरब लोगों को आजीविका का संकट झेलना पड़ सकता है।

विशेषज्ञों का मानना है कि 2050 तक दुनिया भर में 25 करोड़ लोगों को अपने मूल निवास स्थलों से पलायन को मजबूर होना पड़ सकता है। जलवायु परिवर्तन की मार मालदीव और प्रषांत महासगर क्षेत्र के कई द्वीपों के वजूद को पूरी तरह लील होगी। इन्हीं आशंकाओं के चलते मालदीव की सरकार ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए चर्चा के लिए समुद्र की गहराई में बैठकर औद्योगिक देषों का ध्यान अपनी ओर खींचा था ताकि ये देश कार्बन उत्सर्जन में जरूरी कटौती कर दुनिया को बचाने के लिए आगे आएं।

नजरिया

बंगाल में सिन्दूर खेला की बिछने लगी चुनावी बिसात

बाल मुकुन्द ओझा
मोबाइल : 8949519406

पश्चिम बंगाल विधान सभा चुनाव के सियासी नगाड़े एक साल पूर्व ही बजने शरू हो गए है। इस साल बिहार के बाद अगले साल पश्चिम बंगाल विधान सभा चुनावों की सरगर्मियां अभी से तेज़ हो गई है। प्रधान मंत्री और गृह मंत्री के बंगाल दौरे के बाद भाजपा ने आक्रामक रुख अख्तियार कर लिया है। यह चुनाव भाजपा के लिए करो या मरो साबित होंगे, इसमें कोई संशय नहीं है। राजधानी दिल्ली में अजेय समझे जाने वाली आम आदमी पार्टी की सरकार धराशाही करने के बाद भाजपा के हौसले बुलंदी पर है। यदि बिहार चुनाव भाजपा जीत लेगी तो बंगाल का मोर्चा भाजपा के लिए आसान हो जायेगा। इसी के साथ विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आ रहे हैं वैसे वैसे भाजपा और टीएमसी के बीच सियासी टकराव बढ़ता ही जा रहा हैं। भाजपा ने अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव की सियासी जंग फतह करने के लिए अपना एजेंडा सेट करना शुरू दिया है तो टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी अपनी सत्ता को बचाए रखनी की कवायद में है। ऐसे में भाजपा ने हिंदुत्व की बिसात बिछानी शुरू कर दी है। देश की सत्ता पर भाजपा तीसरी बार काबिज है, लेकिन बंगाल में अभी तक कमल नहीं खिल सका है। नरेंद्र मोदी की अगुवाई में भाजपा को बंगाल में उम्मीद की किरण दिखाई दी है, जिसके चलते 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले ममता बनर्जी के सियासी दुर्ग में भाजपा अपनी सियासी बेस को बनाने की एक्सरसाइज शुरू कर दी है। बंगाल में एनडीए का मतलब भाजपा और इंडिया गठबंधन का अर्थ टीएमसी है।

लोकसभा और विधान सभा में कांग्रेस और कम्युनिष्टों का सूपड़ा साफ़ हो चुका है। ममता इंडिया में जरूर है मगर बंगाल के चुनाव में किसी भी सहयोगी पार्टी को पास फटकने नहीं दे रही है। एनडीए में भाजपा को छोड़कर किसी सहयोगी दल का अस्तित्व नहीं है। ऐसे में भाजपा और टीएमसी में सीधा मुकाबला होगा। ममता बनर्जी अपनी सत्ता बचाने के लिए किसी भी हद तक जा सकती है तो भाजपा ममता की चालों को धराशाही करने के लिए कमर कस ली है। बंगाल का चुनाव बेहद दिलचस्प और धूम धड़ाके वाला होगा और पूरे देश की निगाह इस पर टिकी होंगी।

बंगाल की राजनीति और हिंसा का गहरा सम्बन्ध है। यह गहन शोध का विषय है की आखिर बंगाल में जब भी चुनाव आते हैं तब यहाँ क्यों खून बहता है। कम्युनिष्ट नेता चारू मजूमदार और कानू सान्याल ने बंगाल में वर्ष 1967 में नक्सलबाड़ी से हिंसक राजनीतिक विरोध की शुरुआत की थी। तत्कालीन सरकार ने हिंसक हो चुके नक्सलबाड़ी आंदोलन पर पुलिस बल का प्रयोग करके उसे कुचलने का प्रयास किया और उसके बाद कांग्रेस और कम्युनिस्ट पार्टी के बीच शुरू हुई राजनीतिक हिंसा की बेहद खराब परंपरा बंगाल में आज और ज्यादा वीभत्स रूप में बनी हुई है। एक लम्बे वामपंथी शासन से यह रक्तरंजित शुरुआत हुई जो ममता बनर्जी शासन में लगातार जारी है। यहाँ पिछले पचास वर्षों में शासन सत्ता जरूर बदली मगर हिंसा कभी नहीं थमी जिसके फलस्वरूप हजारों लोगों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा और यह खूनी खेल आज भी बदस्तूर जारी है।

आगामी विधानसभा चुनाव की बात करें तो बात बात पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चुनौती देने वाली प बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के राज्य में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव चुनौतीपूर्ण होंगे। पिछले लोकसभा, विधानसभा और पंचायत चुनाव में इस प्रदेश में खून की होली खेली गई थी। इस बार भी कमोवेश फिर यही स्थिति बनने का खतरा मंडराने लगा है।

बंगाल में स्वतंत्र और निष्पक्ष कराना चुनाव आयोग के सामने बड़ी चुनौती है। यहाँ रक्तरंजित चुनाव से इंकार नहीं किया जा सकता। प्रमुख दलों ने अभी से बड़ी बड़ी रैलियों का आगाज कर प्रचार शरू कर दिया है। पार्टियों में रोज ही मारकाट होती है। एक दूसरे पर हमले हो रहे है। बीजेपी जिस तरह से ममता बनर्जी को हिंदुत्व के मुद्दे पर घेरने में जुटी है और भगवान राम के नाम पर सियासी बिसात बिछानी शुरू की है. उसके जवाब में ममता बनर्जी बंगाल की अस्मिता का मुद्दा बना सकती है। 2021 के विधानसभा चुनाव में भी ममता बनर्जी ने बीजेपी के हिंदुत्व पॉलिटिक्स के सामने मां, माटी और मानुष के भरोसे सियासी जंग फतह करने में कामयाब रहीं। बीजेपी 2026 के चुनाव में जिस तरह हिंदुत्व के मुद्दे को धार देने में जुटी है, उसके चलते माना जा रहा है कि ममता बनर्जी फिर से बंगाल अस्मिता वाले हथियार का इस्तेमाल कर सकती हैं।

ममता बनर्जी ने पिछले चुनाव को 'बंगाली बनाम बाहरी' की लड़ाई का सियासी रंग दिया था। ममता बनर्जी ने खुद को बंगाली और बीजेपी नेताओं को बाहरी कहकर बंगाल की जनता को आगाह करने की कोशिश करती नजर आईं थी। ममता ने कहा कि बंगाल गुजरात या यूपी नहीं है। बंगाल, बंगाल है। कुछ बाहरी गुंडे यहां आ रहे हैं। टीएमसी फिर कह रही है कि 2026 विधानसभा चुनाव के दौरान विकास के अलावा बंगाली अस्मिता हमारा मुख्य चुनावी मुद्दा होगा। बंगाली अस्मिता केवल बंगालियों के बारे में नहीं है इसमें सभी भूमि पुत्रों के लिए अपील है। ऐसे में साफ है कि बीजेपी के हिंदुत्व को काउंटर करने के लिए ममता बनर्जी बंगाल अस्मिता के मुद्दे को फिर से उठा सकती हैं।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ट्रंप के सैन्य हस्तक्षेप की वजह से लोकतंत्र पर हमला हुआ : कैलिफोर्निया के गवर्नर

लॉस एंजिलिस/एपी

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अमेरिकी जीवनशैली के लिए खतरा बताते हुए, कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम ने लॉस एंजिलिस में संघीय सैन्य हस्तक्षेप को ट्रंप द्वारा देश के लोकतंत्र के मूल में स्थित राजनीतिक और सांस्कृतिक मानदंडों को उलटने के व्यापक प्रयास की शुरुआत बताया।

वहीं, आव्रजन छापेमारी के खिलाफ शुरू हुए प्रदर्शनों का दायरा अब पूरे अमेरिका में फैल रहा है तथा इस सप्ताहांत और प्रदर्शन करने की योजना बनाई गई है। इन प्रदर्शनों की वजह से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को 'नेशनल गार्ड' और नौसेनिकों को बुलाना पड़ा है।

सिएटल और ऑस्टिन से लेकर शिकागो और वाशिंगटन डी.सी. तक, प्रदर्शनकारियों ने नारेबाजी की तथा वे आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) एजेंसी के खिलाफ बैनर लिए हुए थे और उन्होंने शहर के मुख्य मार्गों और संघीय कार्यालयों के बाहर यातायात को बाधित किया।

कई प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहे, लेकिन कुछ जगह प्रदर्शनकारियों की कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ झड़पें हुईं, क्योंकि अधिकारियों ने गिरफ्तारियां कीं और भीड़ को तितर-बितर करने के लिए रासायनिक पदार्थों का प्रयोग किया।

कार्यकर्ता आने वाले दिनों में और भी बड़े प्रदर्शनों की योजना बना रहे हैं। शनिवार को देश भर में 'नो किंग्स' कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे और यह उस दिन किए जाएंगे जब वाशिंगटन में ट्रंप की सैन्य परेड प्रस्तावित है।

ट्रंप प्रशासन ने कहा कि वह विरोध प्रदर्शनों के बावजूद आव्रजन संबंधी छापेमारी और निर्वासन का अपना कार्यक्रम जारी रखेगा।

आंतरिक सुरक्षा मंत्री क्रिस्टी नोएम ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, ''आईसीई कानून को लागू करना जारी रखेगी।'' इस बीच लॉस एंजिलिस की मेयर कैरेन बास ने मंगलवार को शहर के मुख्य क्षेत्र में ''तोड़फोड़ और लूटपाट को रोकने के लिए'' कर्फ्यू लगा दिया है और इसके बाद पुलिस ने कुछ लोगों को गिरफ्तार किया। ट्रंप की आव्रजन कार्रवाई के खिलाफ जमा हुए सैकड़ों प्रदर्शनकारियों की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए घुड़सवार पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है।

इस दौरान 'नेशनल गार्ड' भी तैनात रहे लेकिन वे लोगों को गिरफ्तार करने में शामिल नहीं हुए। कुछ घंटों बाद, बहुत से प्रदर्शनकारी तितर-बितर हो गए, हालांकि छिटपुट झड़पें जारी रहीं जो पिछली रातों की तुलना में बहुत कम थीं।

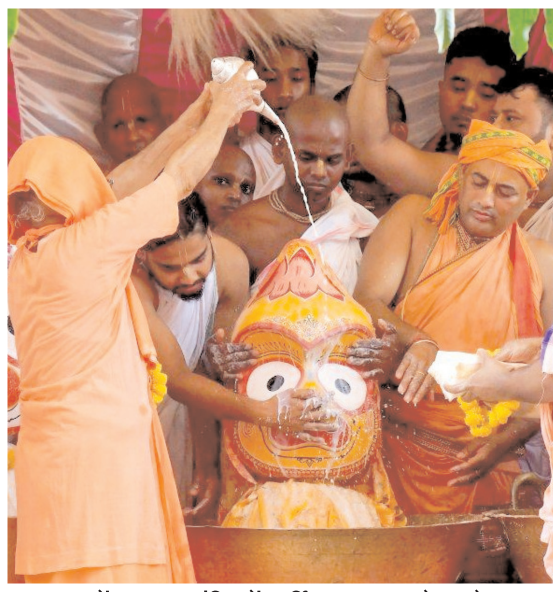

अगरतला में जगन्नाथ मंदिर में वार्षिक रथ यात्रा से पहले भगवान जगन्नाथ, देवी सुभद्रा और भगवान बलभद्र के पवित्र 'स्नान यात्रा' या स्नान समारोह के दौरान पुजारी अनुष्ठान करते हुए।

सम्मान बहाल करने के लिए हस्तक्षेप करने का साहस करता है संविधान : न्यायमूर्ति गवई

लंदन/भाषा

भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) बी आर गवई ने यहां ऑक्सफोर्ड यूनियन में अपने संबोधन में कहा कि भारत का संविधान एक सामाजिक दस्तावेज है, जो यह दिखावा नहीं करता कि सभी समान हैं, बल्कि सत्ता को पुन:संतुलित करने और सम्मान बहाल करने के लिए हस्तक्षेप करने का साहस भी करता है।न्यायमूर्ति गवई ने मंगलवार को ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में स्थित इस ऐतिहासिक संस्थान में 'प्रतिनिधित्व से कार्यान्वयन तक: संविधान के वादे को मूर्त रूप देना' विषय पर अपने संबोधन में नगरपालिका के एक स्कूल से लेकर देश के सर्वोच्च न्यायिक पद तक अपनी यात्रा का उल्लेख किया।

लंदन स्थित ऑक्सफोर्ड यूनियन एक संस्था है, जहां लोग विभिन्न औपचारिक विषयों पर परिचर्चा करते हैं। उन्होंने संविधान मसौदा समिति के अध्यक्ष के रूप में डॉ बी आर अंबेडकर की भूमिका पर भी रोशनी डाली। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, ''कई दशक पहले, भारत के लाखों नागरिकों को 'अछूत' कहा जाता था। उन्हें बताया जाता था कि वे अपवित्र हैं। उन्हें बताया जाता था कि वे अपने लिए नहीं बोल सकते। लेकिन आज हम यहां हैं, जहां उन्हीं लोगों से संबंधित एक व्यक्ति देश की न्यायपालिका में सर्वोच्च पद धारक के रूप में खुलकर बोल रहा है। भारत के संविधान ने यही किया है।'' उन्होंने कहा कि संविधान नागरिकों को बताता है कि ''वे अपने लिए बोल सकते हैं, समाज और सत्ता के हर क्षेत्र में उनका समान स्थान है''।

न्यायमूर्ति गवई ने कहा, ''संविधान महज एक कानूनी चार्टर या राजनीतिक ढांचा नहीं है। यह एक भावना है, जीवनरेखा है, स्याही से उकेरी एक मौन क्रांति है।'' उन्होंने कहा, ''संविधान एक सामाजिक दस्तावेज है, जो जाति, गरीबी, बहिष्कार और अन्याय की क्रूर सच्चाइयों से अपनी नजर नहीं हटाता। यह इस बात का दिखावा नहीं करता कि गहरी असमानता से ग्रसित देश में सभी समान हैं। इसके बजाय, यह हस्तक्षेप करने, पटकथा को फिर से लिखने, सत्ता को पुन:संतुलित करने और गरिमा बहाल करने का साहस करता है।''

अमेरिका ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत को मजबूत समर्थन जताया

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका के विदेश विभाग ने कहा कि पिछले सप्ताह भारतीय सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल की यात्रा के दौरान अमेरिका ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई और द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी के लिए अपने मजबूत समर्थन की पुष्टि की। कांग्रेस सांसद शशि थरूर के नेतृत्व में बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल ने पिछले सप्ताह वाशिंगटन में अमेरिकी उप विदेश मंत्री क्रिस्टोफर लैंडौ से मुलाकात की। विदेश विभाग के प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने मंगलवार को एक प्रेस वार्ता में कहा कि लैंडौ ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई और दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी में भारत को अमेरिका के मजबूत समर्थन की पुष्टि की। ऑपरेशन सिंदूर के बाद सरकार के वैश्विक संपर्क प्रयासों के तहत प्रतिनिधिमंडल ने अमेरिका का दौरा किया। भारत ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के जवाब में ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था।

एक सवाल के जवाब में ब्रूस ने कहा कि बिलावल भुट्टो जरदारी के नेतृत्व में एक पाकिस्तानी संसदीय प्रतिनिधिमंडल ने पिछले सप्ताह वाशिंगटन की अपनी यात्रा के दौरान विदेश विभाग के अधिकारियों से मुलाकात की, जिसमें राजनीतिक मामलों की अवर सचिव एलिसन हुकर भी शामिल थीं। हुकर ने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष की समाप्ति के लिए अमेरिका के समर्थन को दोहराया। जब पूछा गया कि क्या अमेरिका को पाकिस्तान से कोई आश्वासन मिला है कि वह आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई करेगा, तो ब्रूस ने कहा कि वह उन बातचीत के विवरण पर चर्चा नहीं करने वाली।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा कश्मीर के मुद्दे पर 'मध्यस्थता' की पेशकश के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में, ब्रूस ने कहा, ''मैं राष्ट्रपति के दिमाग या योजनाओं के बारे में बात नहीं कर सकता। मुझे जो पता है वह यह है कि मुझे लगता है कि हम सभी मानते हैं कि राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा उठाए गए प्रत्येक कदम में, देशों के बीच पीढ़ियों से चले आ रहे मतभेदों, पीढ़ीगत युद्ध को हल करने का प्रयास किया जाता है।'' भारत ने पाकिस्तान के साथ जम्मू कश्मीर के मुद्दे पर किसी की भी मध्यस्थता को अस्वीकार कर दिया है और हमेशा कहता रहा है जम्मू कश्मीर और लद्दाख हमेशा देश का अभिन्न हिस्सा रहे हैं और रहेंगे।

फिल्म 'हाउसफुल 5' 100 करोड़ के क्लब में हुई शामिल

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड स्टार अक्षय कुमार की फिल्म 'हाउसफुल 5' ने भारतीय बाजार में 100 करोड़ रूपये से अधिक की कमाई कर ली है। बॉलीवुड फिल्मकार साजिद नाडियाडवाला की सुपरहिट कॉमेडी फ्रेंचाइजी हाउसफुल की पांचवीं किस्त 06 जून को रिलीज हुयी है। इस फिल्म का निर्देशन तरूण मनसुखानी ने किया है। इस फिल्म में अक्षय कुमार ,रितेश देशमुख, अभिषेक बच्चन, जैकलीन फर्नांडिस,सोनम बाजवा, नरगिस फाखरी, फरदीन खान, श्रेयस तलपड़े,चित्रांगदा सिंह,डीनो मोरिया,चंकी पांडे, जॉनी लीवर, निकितेन धीर,सौंदर्या शर्मा, रंजीत, जैकी श्रॉफ, संजय दत्त और नाना पाटेकर जैसे सितारे हैं।

फिल्म 'हाउसफुल 5' बॉक्स ऑफिस पर धांसू परफॉर्मेंस कर रही है। 'हाउसफुल 5 दो अलग-अलग क्लाइमैक्स के साथ रिलीज की गयी है।

ट्रेड वेबसाइट सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म 'हाउसफुल 5' ने पहले दिन भारतीय बाजार में 24 करोड़ रुपये की शानदार कमाई की।

वहीं, दूसरे दिन फिल्म ने 31 करोड़, तीसरे दिन 32.5 करोड़ की कमाई की। वहीं, अब चौथे दिन का कलेक्शन भी सामने आ गया है। सैकनिल्क की अर्ली रिपोर्ट के अनुसार फिल्म हाउसफुल 5 ने चौथे दिन 13 करोड़ का कारोबार किया है। इस तरह फिल्म हाउसफुल 5 भारतीय बाजार में चार दिनों में 100 करोड़ रूपये से अधिक की कमाई कर चुकी है।

फिल्म 'अखंडा 2: तांडवम' का टीजर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

नंदामुरी बालकृष्ण, बोयापति श्रीनु और 14 रील्स प्लस की फिल्म 'अखंडा 2: तांडवम' का टीजर रिलीज हो गया है। नंदामुरी बालकृष्ण और निर्देशक बोयापति श्रीनु अपनी चौथी बड़ी फिल्म 'अखंडा 2: तांडवम' के लिए एक बार फिर साथ मिलकर आए हैं। यह फिल्म, हिट 'अखंडा' का अगला हिस्सा है और इसमें एक्शन-ड्रामा और भी ज़्यादा होगा। इसमें धमाकेदार एक्शन सीन के साथ-साथ कुछ आध्यात्मिक बातें भी देखने को मिलेंगी। राम आचार्य और गोपीचंद आचार्य के जाने-माने 14 रील्स प्लस बैनर ने इसे बनाया है और एम. तेजेस्विनी नंदामुरी इसे पेश कर रही हैं। मेकर्स ने बालकृष्ण के जन्मदिन पर फिल्म का टीज़र रिलीज किया है। टीज़र में बालकृष्ण का शानदार लुक सबसे ज़्यादा ध्यान खींच रहा है। उनके किरदार को ये लुक बहुत सूट कर रहा है, जिसमें ताक़त और दिव्यता का गजब का मेल है। बोयापति ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वो बालकृष्ण को किसी और से ज़्यादा समझते हैं। उन्होंने जो फ़र्स्ट लुक और टीज़र दिया है, उससे बालकृष्ण का जलवा और बढ़ गया है। इस फिल्म में आदि पिनिसेट्टी विलेन का रोल निभा रहे हैं, जो अखंडा के सामने बुराई का चेहरा होंगे। संयुक्त मेनन इस बड़े सीक्वल में अभिनेत्री का रोल कर रही हैं। फिल्म में अनुभवी तकनीशियनों की एक टैलेंटेड टीम है, जिसमें संगीतकार एस. थमन, सिनेमैटोग्राफर सी. रामप्रसाद, एडिटर तम्मिराजू और आर्ट डायरेक्टर एएस प्रकाश शामिल हैं। यह फिल्म 25 सितंबर से दशहरा स्पेशल के तौर पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

वार्षिक कार्यक्रम और हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया

कोच्चि/दक्षिण भारत। भारतीय खाद्य निगम के मंडल कार्यालय में बुधवार को वार्षिक कार्यक्रम और हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता मंडल प्रबंधक श्रेयांस कुमार ने की। इसमें 10 अधिकारी एवं 16 कर्मचारी मौजूद थे।

प्रार्थना गीत के साथ कार्यशाला का शुभारंभ होने के बाद प्रबंधक (राजभाषा) ने हिंदी कार्यशाला के महत्त्व पर प्रकाश डाला। अध्यक्ष ने बताया कि कार्यशाला का आयोजन हर तिमाही में किया जा रहा है, जिसका मकसद राजभाषा से संबंधित गतिविधियों से परिचित करवाना और अपने कार्यालय में अनुपालन कराना है। कार्यशाला के प्रथम सत्र में सहायक (राजभाषा) राज किशोर पंडित ने विभिन्न प्रोत्साहन योजनाओं के बारे में जानकारी दी। इसके दूसरे सत्र में प्रबंधक (राजभाषा) षीजामोल केएस ने अनुभागों द्वारा तिमाही प्रगति रिपोर्ट भरने एवं कंप्यूटर पर हिंदी में टंकण करने की प्रक्रिया पर चर्चा की। साथ ही, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अभ्यास करवाया।

कार्यशाला के तीसरे एवं अंतिम सत्र में ई-ऑफिस के जरिए हिंदी में कामकाज करने में सहजता लाने वाले आईटी टूल्स के बारे में जानकारी दी गई। धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यशाला संपन्न हुई।

'पंचायत सीज़न 4' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

वेबसीरीज पंचायत सीज़न 4 का ट्रेलर रिलीज हो गया है। प्राइम वीडियो ने आज 'पंचायत सीजन 4' का जबरदस्त और मजेदार ट्रेलर रिलीज कर दिया है। यह शो 24 जून से स्ट्रीम होगा। 'पंचायत सीजन 4' को द वायरल फीवर ने प्रोड्यूस किया है। इस सीजन को दीपक कुमार मिश्रा और चंदन कुमार ने मिलकर बनाया है, स्क्रिप्ट लिखी है चंदन कुमार ने, और दीपक कुमार मिश्रा और अक्षत विजयवर्गीय ने निर्देशन किया है। शो में एक बार फिर जीतेन्द्र कुमार, नीना गुप्ता, रघुबीर यादव, फैसल मलिक, चंदन रॉय, सान्विका, दुर्गेश कुमार, सुनीता राजवार और पंकज झा जैसे शानदार कलाकार नजर आएंगे । नीना गुप्ता ने कहा,मंजू देवी का किरदार निभाना मेरे लिए बहुत संतोषजनक रहा है, खासकर इसलिए क्योंकि वो आज के समय की सबसे पसंदीदा और लोगों से जुड़ने वाली किरदारों में से एक बन चुकी है।

हर सीजन के साथ उसे एक हिचकिचाती प्रधान से फुलेरा की आवाज़ बनते देखना बेहद रोमांचक रहा है। 'पंचायत' हर नए चैप्टर में सिर्फ गांव की ज़िंदगी को ही नहीं, बल्कि हर किरदार की ग्रोथ को और गहराई से दिखाता है। सीजन 4 में कई अनपेक्षित मोड़ हैं, जो कहानी को और भी दिलचस्प बनाते हैं। ट्रेलर तो बस झलक है, असली मज़ा तो अब शुरू होगा और वह भी मस्ती, ताज़गी और सरप्राइज़ से भरपूर! जीतेन्द्र कुमार ने कहा,पंचायत एक ऐसी कहानी है जो हर जगह, हर उम्र और हर तरह के दर्शकों को जोड़ती है। इसका ह्यूमर, सादगी और जमीन से जुड़े किरदारों ने इसे एक कल्चरल फेनॉमिना बना दिया है और हमें खुशी है कि हम इस सीरीज़ का एक और मजेदार सीज़न ला रहे हैं। इस टीम के साथ काम करना हमेशा घर जैसा लगता है, यहां भरोसा है और कहानियों से प्यार है जो स्क्रीन पर भी नजर आता है। इस नए सीज़न में फुलेरा से फिर ढेर सारी मस्ती, अपनापन और हलचल मिलने वाली है। ट्रेलर में जो मस्ती झलक रही है, उससे भी ज्यादा मज़ा आगे आने वाला है, और मैं इंतज़ार कर रहा हूं यह देखने के लिए कि लोग इसे कैसे पसंद करेंगे।

फिल्म 'द दिल्ली फाइल्स' अब 'द बंगाल फाइल्स' नाम से होगी रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड फिल्मकार विवेक रंजन अग्निहोत्री की फिल्म 'द दिल्ली फाइल्स' अब 'द बंगाल फाइल्स' नाम से रिलीज होगी। विवेक रंजन अग्निहोत्री अब अपनी ट्रिलॉजी की तीसरी फिल्म 'द दिल्ली फाइल्स: द बंगाल चैप्टर' के साथ तैयार हैं, जिसे अब 'द बंगाल फाइल्स: राइट टू लाइफ' नाम से रिलीज़ किया जाएगा। यह फिल्म 05 सितंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी। फिल्म के मेकर्स अभिषेक अग्रवाल, पल्लवी जोशी और विवेक अग्निहोत्री ने ये फैसला खासतौर पर पब्लिक डिमांड पर लिया है। ये फिल्म विवेक रंजन अग्निहोत्री की फाइल्स ट्रिलॉजी की तीसरी किस्त है, जिसमें इससे पहले 'द ताशकंद फाइल्स' (2019) और 'द कश्मीर फाइल्स' (2022) आ चुकी हैं। अगली फिल्म 1940 के दशक में विभाजन से पहले वाले बंगाल में हुए सांप्रदायिक दंगों पर आधारित है, खासतौर पर डायरेक्ट एक्शन डे और नोआखाली दंगों पर फोकस करती है।

विवेक अग्निहोत्री ने इन घटनाओं को हिंदुओं का नरसंहार बताया है और इस फिल्म के ज़रिए वो भारतीय इतिहास के इस अनदेखे हिस्से को सामने लाना चाहते हैं। इस फिल्म में मिथुन चक्रवर्ती, अनुपम खेर और पल्लवी जोशी जैसे शानदार कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। शूटिंग के दौरान कई मुश्किलें आईं, खासकर सुरक्षा को लेकर, जिसकी वजह से कोलकाता के बजाये मुंबई में फिल्माया गया। बावजूद इसके, विवेक अग्निहोत्री और उनकी टीम ने ये प्रोजेक्ट पूरा कर लिया है और अब ये अहम कहानी पूरे देश के दर्शकों तक पहुंचाने के लिए तैयार हैं।

'द दिल्ली फाइल्स' को विवेक अग्निहोत्री ने लिखा है और इसे अभिषेक अग्रवाल और पल्लवी जोशी ने प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म तेज नारायण अग्रवाल और आई एम बुद्धा प्रोडक्शंस द्वारा पेश की गई है।

'जुड़वां जाल' में अपने किरदार को दमदार बनाने के लिए देखी फिल्म 'सीता और गीता' : मोनालिसा

मुंबई/एजेन्सी

जानी-मानी अभिनेत्री मोनालिसा अपने आने वाले प्रोजेक्ट 'जुड़वां जाल' में दो अलग-अलग किरदार निभाने वाली हैं। इस चुनौतीपूर्ण किरदार को बेहतर तरीके से निभाने के लिए उन्होंने पुरानी हिट बॉलीवुड फिल्मों जैसे 'जुड़वां', 'सीता और गीता' और 'चालबाज' दोबारा देखी। आने वाली मनोरंजक क्राइम थ्रिलर सीरीज में, मोनालिसा अनामिका और उसकी अलग हो चुकी जुड़वां बहन शुचि की दोहरी भूमिकाएं निभा रही हैं। अपने किरदारों को लेकर एक्ट्रेस ने कहा, ''अनामिका और शुचि की भूमिका निभाना मेरे लिए सबसे मुश्किल, लेकिन उन चुनौतियों में से एक है, जो मुझे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती हैं। दोनों किरदार एक-दूसरे से बेहद अलग हैं, एक रहस्यमयी और छुपा हुआ, दूसरा न्याय और दुख से भरा।'''नजर' सीरियल की एक्ट्रेस ने कहा, इन किरदारों को निभाने के लिए, मैंने 'जुड़वां', 'सीता और गीता' और 'चालबाज' समेत कई सीरीज और फिल्में देखीं, जो डबल रोल पर आधारित हैं। इन फिल्मों को देखकर मैंने दोहरी भूमिका निभाने की कला को बारीकी से समझा। मैं अपने परफॉर्मेंस को बेहतर बनाने के लिए शीशे के सामने अपने डायलॉग्स की प्रैक्टिस करती थी। शूटिंग शुरू होने से पहले मैं थोड़ी नर्वस थी, लेकिन किरदार की चुनौतियों ने मुझे एक अभिनेता के तौर पर आगे बढ़ाया। अब मैं दर्शकों को इस सस्पेंस भरे सफर का अनुभव कराने के लिए और इंतजार नहीं कर सकती।

'जुड़वां जाल' का प्रीमियर 12 जून को हंगामा ओटीटी पर होने वाला है। इस सीरीज में मोनालिसा के अलावा अंकित भाटिया, पलक सिंह और कई अन्य कलाकार अहम भूमिका में हैं।मोनालिसा, जिनका असली नाम अंतरा बिस्वास है, ने भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री में 'रणभूमि', 'हम हैं खलनायक', 'जाड़े में बलमा प्यारा लगे', 'नथुनिया पे गोली मारे', 'देवरा बड़ा सतावेला', 'पॉकेट गैंगस्टर्स' और 'पवन राजा' जैसी कई अन्य फिल्मों से अपनी पहचान बनाई।

अपने फिल्मी करियर के अलावा, वह 'लाल बनारसी', 'बेकाबू', 'नमक इश्क का' और 'माता की महिमा' समेत कई टीवी शो में भी दिखाई दीं। उन्होंने डांस रियलिटी शो 'नच बलिए 8' में भी हिस्सा लिया।

एनटीआर जूनियर ने शुरू की फिल्म वॉर 2 की डबिंग

मुंबई/एजेन्सी

'मैन ऑफ द मासेस' एनटीआर जूनियर ने अपनी आने वाली फिल्म वॉर 2 की डबिंग शुरू कर दी है। वर्ष 2025 की बहुप्रतीक्षित फिल्म वॉर 2 के लिए एनटीआर जूनियर ने डबिंग शुरू कर दी है। यशराज फिल्म्स की इस मेगा एक्शन फिल्म का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें एनटीआर जूनियर स्टूडियो में डबिंग करते नजर आ रहे हैं। आदित्य चोपड़ा द्वारा निर्मित और अयान मुखर्जी द्वारा निर्देशित फिल्म वॉर 2 वाईआरएफ के मशहूर स्पाई यूनिवर्स का छठा चैप्टर है, जिसने अब तक हर बार ब्लॉकबस्टर हिटस दी हैं। वॉर 2 में एनटीआर जूनियर के साथ ऋतिक रोशन और कियारा आडवाणी की अहम भूमिका है। यह फिल्म जबरदस्त एक्शन, हाई-ऑक्टेन स्टंटस और रोमांचक कहानी से भरपूर होगी जिसमें एनटीआर और ऋतिक आमने-सामने दिखाई देंगे। वॉर 2 दुनिया भर के सिनेमाघरों में 14 अगस्त 2025 को रिलीज होने जा रही है।

RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर की श्रीराम परिवार दुर्गा पूजा समिति द्वारा शहर के पैलेस ग्राउण्ड स्थित प्रिंसेस श्राइन सभागार में आयोजित जगद्गुरु श्रीरामभद्राचार्य महाराज की नौदिवसीय श्रीराम कथा के दूसरे दिन मंगलवार को प्रभु श्रीराम का जन्मोत्सव अत्यंत धूमधाम से मनाया गया।

विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में राज्यपाल गहलोत ने छात्रा नुन्ना को किया सम्मानित

एआईएमआईटी की छात्रा नुन्ना को मिले दो स्वर्ण पदक व नकद पुरस्कार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु सिटी यूनिवर्सिटी के चौथे वार्षिक दीक्षांत समारोह में यूनिवर्सिटी में प्रथम रैंक प्राप्त करने वाली आदर्श इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (एआईएमआईटी) बेंगलूरु के एमबीए हाईफ्लायर्स बैच की मेधावी छात्रा नुन्ना हेमा स्विता को कर्नाटक के राज्यपाल थावरचन्द गहलोत ने सम्मानित किया।

दीक्षांत समारोह में छात्रा नुन्ना को दो प्रतिष्ठित स्वर्ण पदक और नकद पुरस्कार प्रदान किया गया। राज्यपाल ने कहा कि छात्रा नुन्ना की उपलब्धि उत्कृष्टता को बढ़ावा देने और भविष्य के अन्य विद्यार्थियों को सशक्त बनाने के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। एआईएमआईटी के प्रबंधन, प्रिंसिपल, संकाय और कर्मचारियों ने सुश्री नुन्ना हेमा को शुभकामनाएं दी। प्रबंधन ने बताया कि इसके अलावा सुश्री कीर्तना ने भी एमबीए परीक्षा में 5वीं रैंक हासिल की है।

भगवान राम ही भारत के भाग्य विधाता हैं : जगद्गुरु श्रीरामभद्राचार्य

कथा में राम जन्मोत्सव की रही धूम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर की श्रीराम परिवार दुर्गा पूजा समिति द्वारा शहर के पैलेस ग्राउण्ड स्थित प्रिंसेस श्राइन सभागार में आयोजित जगद्गुरु श्रीरामभद्राचार्य महाराज की नौदिवसीय श्रीराम कथा के दूसरे दिन मंगलवार को प्रभु श्रीराम का जन्मोत्सव अत्यंत धूमधाम से मनाया गया। जन्मोत्सव की धूम में 'प्रभु राम तुम्हारी जय जय हो सीताराम तुम्हारी जय जय हो' और 'अवध में आनन्द भयो जय रघुवर लाल की' मंगल गीत पर श्रद्धालु भावविभोर हो जमकर झूमे।

कथा में श्रीमद्वाल्मीकि रामायण के बालकाण्ड की कथा का शुभारंभ करते हुए कथाव्यास जगद्गुरु श्री रामभद्राचार्यजी ने कहा कि प्रभु श्रीराम के दिव्य शरीर के प्राकट्य पर माता कौशल्या विनती करती हैं कि आप एक शिशु की भांति व्यवहार कीजिए। प्रभु श्रीराम अपनी माता की बात मान लेते हैं और अपने अवतार के कारण व कार्य को ध्यान में रखते हुए वह सब कुछ करते हैं जिससे मनुष्य को अपना जीवन सफल बनाने की प्रेरणा मिलती है। भगवान श्रीराम भारतीय संस्कृति के प्राणाधार हैं और रामायण श्रीराम के जीवन चरित का मूलाधार है। कथा वाचक ने कहा कि दक्षिण भारत में वाल्मीकि रामायण का अधिक प्रचलन है और प्रभु श्रीराम के परम भक्त श्री हनुमानजी को भी वाल्मीकि रामायण विशेष रूप से पसंद है। श्रीराम कथा की गूँज सदियों से न केवल भारत के कोने-कोने में बल्कि विश्व के अनेक देशों में सुनाई देती है। हम सबके जीवन की न जाने कितनी स्मृतियाँ रामायण के ताने-बाने में बुनी हुई हैं। प्रभु श्रीराम के जीवन से जुड़े जीवंत प्रमाण आज भी अयोध्या से लेकर श्रीलंका तक देखने को मिलते हैं। प्रभु श्रीराम हमारे आदर्श हैं और रामायण हमारी संस्कृति है। जीवन पथ पर इनके आदर्शों का अनुकरण ही हमारा सच्चा मार्गदर्शन कर सकते हैं।

रामभद्राचार्य जी ने कहा कि श्रीराम हमारे इतिहास के सबसे बड़े नायक हैं। उनका जीवन अखिल विश्व के जन-जन के लिए प्रेरणादायी शक्ति प्रदान करने वाला है। हम सबको उन्हें ही अपना असली हीरो मानना चाहिए, क्योंकि उनमें हीरो के सारे गुण मौजूद थे। वैश्विक समाज युगों-युगों से श्रीराम को लोक-भाव से परिपूर्ण लोकमंगलकारी, लोकरक्षक और लोकनायक के रूप में श्रद्धा भाव से स्वीकार करता रहा है। लेकिन आज हमारी युवा पीढ़ी दिग्भ्रमित हो ऐसे लोगों को अपना हीरो मानकर उनके पीछे भाग रही है, जिनमें असली हीरो वाले कोई गुण ही नहीं दिखते। वास्तव में भारतीय जनमानस के असली हीरो तो प्रभु श्रीराम हैं।

कथा को आगे बढ़ाते हुए जगद्गुरु श्री रामभद्राचार्यजी ने कहा कि भारत में राम सापेक्ष राष्ट्रवाद को अपनाने की आवश्यकता है। इसके बिना रामराज्य की स्थापना संभव नहीं है। जिस तरह से भारत का राष्ट्रगान पूरे देश में उत्तर से लेकर दक्षिण और पूरब से लेकर पश्चिम तक एक समान रूप से स्वीकार्य है उसी तरह से भारत के कोने-कोने में प्रभु श्रीराम की स्वीकार्यता है। भारत का राष्ट्रगान वस्तुत: श्रीराम गान ही है। भगवान राम ही भारत के भाग्य विधाता हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रगान में सिंध का उल्लेख भी आता है, जो वर्तमान में भारत का हिस्सा नहीं है लेकिन एक दिन सिंध भी भारत में अवश्य शामिल होगा।

कथा के समापन पर मुख्य यजमान जसराम महेन्द्र कुमार वैष्णव, राम जन्मोत्सव यजमान तथा आरती यजमानों द्वारा आरती की गई। कथा के दूसरे दिन का भंडारा गौड़ ब्राह्मण संघ की ओर से रहा। इस अवसर पर ताराचंद गोयल, बाबूलाल गुप्ता, राजू सुथार, संजय सिंह, सम्पतराज, हरिश्चन्द्र झा, समिति एवं एकल श्रीहरि वनवासी फाउंडेशन के पदाधिकारियों सहित विभिन्न समाजों के अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे। सचिव अजय प्रकाश पाण्डेय ने बताया कि आईपंथ के अनुयायी, सीरवी समाज के धर्मगुरु दीवान श्री माधवसिंह ने जगद्गुरु श्री रामभद्राचार्य से मुलाकात की। दीवान श्री माधवसिंह ने कहा कि विलक्षण प्रतिभा के धनी पद्मविभूषित जगद्गुरु रामभद्राचार्य के साथ यह छोटी-सी मुलाकात मेरे जीवन का अनमोल पल है। बेंगलूरु में ऐसे महान संत की श्रीराम कथा का आयोजन करने वाली संस्था श्रीराम परिवार दुर्गा पूजा समिति का यह प्रयास सराहनीय है।

नरेशमुनि ने प्रवासियों से संगठित होकर चलने का आह्वान किया

चातुर्मास प्रवचन में सभी को शामिल होने का न्यौता दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शांतिनगर के लुनावत जैन स्थानक में विराजित उपप्रवर्तक नरेश मुनिजी व शालिभद्र मुनिजी के दर्शनार्थ प्रवासी राजस्थानी कर्नाटक संघ के महामंत्री जवरीलाल लूनावत के आह्वान पर समाज के अनेक लोग उपस्थित हुए। लुनावत ने बताया कि इस अवसर पर राजपूत समाज के अध्यक्ष जबरसिंह दहिया, पूर्व कोषाध्यक्ष छैलसिंह दहिया, पटेल समाज के पूर्व अध्यक्ष नाथूराम पटेल, सचिव भीमाराम पटेल, कलाराम पटेल व सांवलराम पटेल, जांगिड़ समाज के अध्यक्ष किरताराम जांगिड़, चैनाराम जांगिड़, राजपुरोहित समाज के प्रमुख भीमराज साविदर, देवासी समाज के गुमानराम देवासी, जाट समाज के अध्यक्ष धर्माराम कडवासरा, विश्नोई समाज के अध्यक्ष मालाराम व आत्माराम विश्नोई, सीरवी समाज के ओमप्रकाश बर्फा, संघ के संगठन सचिव केवलचंद सालेचा व अविनाश गुलेच्छा, मोक्षद्वार पत्रिका के संपादक गौतमचंद ओस्तवाल सहित अनेक प्रवासी बंधुओं ने शिरकत की।

उपप्रवर्तक नरेश मुनिजी ने धर्म चर्चा में प्रवासी बंधुओं का स्वागत करते हुए कहा कि श्री ज्येष्ठ पुष्कर धाम मागड़ी रोड पर चार माह के चातुर्मास में सभी समुदाय व कौम के प्रवासियों को सत्संग का लाभ लेना है। हमारी राजस्थान की संस्कृति व परंपरा को जीवंत रखने के लिए मेरी इच्छा है कि इस चातुर्मास में आप सभी सपरिवार आकर प्रवचन का लाभ लें। उन्होंने कहा कि हम सब हिंदू हैं और हम सब सनातन धर्म के ही अनुयायी हैं ।हमारे सभी 24 तीर्थंकर भी क्षत्रिय ही थे। वर्तमान में काफी जैन संत जैनेतर समाज के हैं। नरेश मुनिजी ने कहा कि हम सभी को संगठित होकर सभी धर्मों के संतों का सम्मान करना चाहिए व उनकी वाणी को समझकर जीवन में आगे बढ़ना ही हमारा उद्देश्य होना चाहिए। इस मौके पर लुनावत ने कहा कि चातुर्मास के पहले किसी भी प्रवासी समुदाय के भवन में सभी प्रवासी बंधुओं के लिए प्रवचन रखा जाए ताकि आपसी परिचय हो और मेलमिलाप बढ़े। शालिभद्र मुनिजी ने कहा कि शहर में सभी धर्मों के प्रवासियों को चातुर्मास में आमंत्रित करना बहुत अच्छा संकेत है और इस तरह की पहल नरेशमुनिजी द्वारा पहली बार की जा रही है। इस मौके पर अनेक जनों ने अपने विचार व्यक्त किए। अंत में जवरीलाल लुणावत ने सभी को धन्यवाद दिया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सम्मान

बेंगलूरु के धात्री-11 संस्था द्वारा महालक्ष्मी लेआउट स्थित रानी अब्बाका खेल मैदान में क्रिकेट स्पर्धा समस्त कप 2025' का आयोजन किया गया, जिसमें 17 टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के शुभारंभ के मौके पर विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत ने खिलाड़ियों से मुलाकात कर उन्हें खेल भावना से प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। आयोजकों ने मुणोत का सम्मान किया।

फेडरेशन ऑफ पेपर ट्रेडर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों का हुआ सम्मान

कर्नाटक पेपर मर्चेंट्स एंड स्टेशनर्स एसोसिएशन ने किया आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक पेपर मर्चेंट्स एंड स्टेशनर्स एसोसिएशन (केपीएमएसए) द्वारा बेंगलूरु प्रवास पर आए फेडरेशन ऑफ पेपर ट्रेडर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया(एफपीटीए) के राष्ट्रीय अध्यक्ष मेहुल मेहता एवं उपाध्यक्ष एमए पांडियन का सम्मान समारोह आयोजित किया गया जिसमें शहर के अग्रणी व्यापारियों एवं पदाधिकारियों ने भाग लिया। स्वागत भाषण से शुरू हुए कार्यक्रम में केपीएमएसए के गौरवशाली इतिहास, सामाजिक सहभागिता, व्यापारिक योगदान तथा आगामी योजनाओं पर प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर विशेष रूप से उपस्थित एफपीटीए के पूर्व अध्यक्ष अशोक गुप्ता, तेजराज जैन एवं दीपक मित्तल ने भी अपने विचार व्यक्त किए। मुख्य अतिथि मेहुल मेहता ने पेपर व्यापार को संगठित और सशक्त रूप देने के लिए सभी सदस्यों से एकजुटता एवं समर्पण के साथ कार्य करने का आग्रह किया। उन्होंने केपीएमएसए द्वारा किए जा रहे विभिन्न कार्यों की सराहना करते हुए आश्वासन दिया कि एफपीटीए राष्ट्रीय स्तर पर ऐसे संगठनों को पूरा सहयोग प्रदान करेगा। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि यदि समर्पण और सहभागिता इसी प्रकार बनी रही तो निकट भविष्य में पेपर उद्योग को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सकता है। समारोह में केपीएमएसए के अध्यक्ष प्रवीण लुंकड़, उपाध्यक्ष प्रदीप लुनावत, सचिव शिवराम यावू, संयुक्त सचिव हुलाश कुमार जैन, कोषाध्यक्ष रमेश सालेचा सहित बड़ी संख्या में कार्यकारिणी समिति सदस्य उपस्थित थे।

नये सिरे से जातिगत गणना मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या की 'हार', उप मुख्यमंत्री शिवकुमार की 'जीत' : अशोक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर अशोक ने कांग्रेस आलाकमान द्वारा नये सिरे से जातिगत गणना कराने के फैसले को मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के लिए ''शर्मनाक और हार'' और उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के लिए 'जीत' करार दिया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)नेता की बुधवार को यह टिप्पणी कांग्रेस के शीर्ष नेताओं द्वारा कर्नाटक में जातिगत आंकड़ों की पुनः गणना की घोषणा के एक दिन बाद आई है, ताकि कुछ समुदायों की चिंताओं का समाधान किया जा सके। इन समुदायों ने शिकायत की थी कि 10 साल पहले किए गए सर्वेक्षण में उन्हें शामिल नहीं किया गया था।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पार्टी नेता राहुल गांधी के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक के बाद यह निर्णय लिया गया। इस बैठक में मौजूद नेताओं में सिद्दरामय्या भी शामिल थे। अशोक ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि यह कदम मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के लिए 'शर्मनाक' और 'हार'' है, जबकि शिवकुमार के लिए यह राजनीतिक 'जीत'' है।

उन्होंने कहा, हम सभी ने इस रिपोर्ट का विरोध किया था। कांग्रेस आलाकमान को भी लगा कि यह रिपोर्ट सही नहीं है। आलाकमान ने सिद्दरामय्या के मुंह पर तमाचा मारा है। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा था कि वे रिपोर्ट को लागू करेंगे, चाहे कुछ भी हो जाए, लेकिन अब वे अपने शब्दों से मुकर गए हैं, इसलिए उनके लिए इस्तीफा देना उचित होगा। 160 करोड़ रुपये बर्बाद हो गए हैं और उनके पास दूसरा सर्वेक्षण कराने के लिए भी पैसे नहीं हैं। उन्हें इसके लिए जवाब देना चाहिए। नेता प्रतिपक्ष ने कन्नड़ लोगों की ओर से सिद्दरामय्या से सवाल किया कि क्या कोई फैसला तभी पवित्र होता है जब वह आलाकमान से आता है?

उन्होंने याद दिलाया कि जनता के विरोध, धार्मिक नेताओं, समुदाय प्रमुखों और यहां तक कि कई कांग्रेस मंत्रियों और विधायकों की आपत्तियों के बावजूद, जिन्होंने कंथाराजू आयोग की रिपोर्ट को ''अवैज्ञानिक'' और ''अधूरी'' कहा था, मुख्यमंत्री ने इसका दृढ़ता से बचाव किया था और इसे मंत्रिमंडल के सामने पेश करने पर जोर दिया था। अशोक ने आरोप लगाया, ''हालांकि, जैसे ही आलाकमान ने फटकार लगाई, वह (सिद्दरामय्या) एक और सर्वेक्षण कराने के लिए सहमत हो गए। इससे एक बात स्पष्ट हो जाती है: उन्हें राज्य के लोगों, धार्मिक नेताओं या समुदाय के प्रमुखों पर कोई भरोसा नहीं है। क्या वह केवल अलाकमान के आदेशों का पालन करने वाले हैं?''

सिद्दरामय्या ने 90 दिनों के भीतर सर्वेक्षण पूरा कराने की बात की है। इसपर निशाना साधते हुए भाजपा नेता ने जानना चाहा कि सरकार इस तरह की कवायद के लिए किसे तैनात करने का इरादा रखती है। उन्होंने कहा, मौजूदा स्थिति में लोग इस बात को लेकर चिंतित हैं कि इस तरह का सर्वेक्षण कैसे संभव है। स्कूल पहले ही शुरू हो चुके हैं और इस समय इतने बड़े काम के लिए शिक्षकों का इस्तेमाल करना शैक्षणिक गतिविधियों को पूरी तरह से बाधित कर देगा, जिसका सीधा असर बच्चों के भविष्य पर पड़ेगा। तो, सरकार इन 90 दिनों के भीतर इस सर्वेक्षण को करने के लिए किसे तैनात करेगी?

अशोक ने ऑनलाइन सर्वेक्षण के विचार को एक और अतार्किक ''कदम'' करार देते हुए इसकी व्यवहार्यता पर सवाल उठाया और कहा कि कई साक्षर लोग अब भी डिजिटल प्रणालियों से अपरिचित हैं। उन्होंने सवाल किया, सूचना और पहचान की सटीकता कैसे सुनिश्चित की जाएगी? गलत जानकारी प्रविष्टियों को रोकने के लिए सरकार क्या उपाय करेगी?जातिगत गणना पर पहले ही खर्च की जा चुकी भारी-भरकम धनराशि के लिए कौन जवाबदेह है?

ट्रेन सेवाओं और यात्री सुविधाओं की मांग को लेकर रेल मंडल प्रबंधक को सौंपा ज्ञापन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। दक्षिण पश्चिम रेलवे बेंगलूरु मंडल उपभोक्ता सलाहकार समिति के सदस्य अश्विन सेमलानी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने बेंगलूरु मंडल प्रबंधक आशुतोष कुमार सिंह से मुलाक़ात कर ट्रेन सेवाओं और यात्री सुविधाओं में सुधार के लिए ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में ट्रेन संख्या 16508 बेंगलुरु-जोधपुर एक्सप्रेस को दैनिक करने, ट्रेन संख्या 16209/16210 बेंगलूरु-अजमेर एक्सप्रेस का जवाई बांध स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव, ट्रेन संख्या 16210 मैसूरु-अजमेर एक्सप्रेस के लिए जवाई बांध स्टेशन पर ठहराव, ट्रेन संख्या 12079/80 जनशताब्दी एक्सप्रेस का धारवाड़ तक विस्तार करने का निवेदन किया। साथ ही वरिष्ठ नागरिक रियायत (छूट) को फिर शुरू करने की भी मांग की गई। सेमलानी के साथ कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन के अध्यक्ष दिलीप जैन, विक्रमराज पुरोहित, सज्ञनराज मेहता सहित अन्य उपस्थित थे।

सामूहिक जाप से समृद्धि की प्राप्ति होती है : साध्वीश्री सोमयशा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। साध्वीश्री सोमयशाजी के सान्निध्य में बुधवार को शेषाद्रीपुरम में ग्रह दशा निवारण अनुष्ठान का आयोजन किया गया। इस मौके पर साध्वीश्री सोमयशाजी ने कहा कि आचार्य महाप्रज्ञ जी महान मंत्रविज्ञ आचार्य थे। उन्होंने मंत्र साधना द्वारा अपनी शक्तियों को प्राणवान बनाया। मंत्र साधक में मुख्य तीन शक्तियां होती हैं, पहली आत्म शक्ति, दूसरी मंत्र शक्ति और तीसरी इच्छा शक्ति। मंत्र विविध शक्तियों का खज़ाना है। मनोयोग पूर्वक जाप करने से वे सारी शक्तियां जप कर्ता में प्रकट हो जाती हैं। सामूहिक जाप से समृद्धि की प्राप्ति होती है। मंत्र भीतर के तंत्र को बदल देते हैं, मंत्र के एक-एक अक्षर से ऊर्जा समृद्धि की प्राप्ति होती है। सारे मनोरथ पूर्ण करने वाला, भक्त को भगवान बनाने वाला, अहम से अर्हम की ओर बढाने वाला मंत्र होता है। मंत्र विविध शक्तियों का खजाना है। मंत्र जप के अनेक लाभ होते हैं। मंत्र और साधक के सूक्ष्म शरीर जब तक एक रूप नहीं हो जाते, तब तक न साधक सफल होता है और ना ही मंत्र। मंत्र कितना शक्तिशाली प्राणवान है उससे कहीं अधिक है मंत्रसाधक की प्राण ऊर्जा। जब तक मंत्र जीवन से नहीं जुड़ता तब तक वह जीवन जीवंत मंत्र नहीं बनता। साध्वीश्री सरलयशाजी एवं ऋषिप्रभाजी ने जप अनुष्ठान करवाया।

बेंगलूरु में भगदड़ : पुलिस उपायुक्त ने 14 घायलों के बयान दर्ज किये

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। यहां चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास हुई भगदड़ की मजिस्ट्रेट जांच का नेतृत्व कर रहे बेंगलूरु के उपायुक्त जी जगदीश ने बुधवार को घटना में घायल हुए लोगों के बयान दर्ज किए। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, जांच के तहत कम से कम 14 लोगों के बयान कैमरे के सामने दर्ज किए गए। इस दौरान उनसे पूछा गया कि उन्हें किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, भगदड़ कैसे हुई और उनका किस अस्पताल में इलाज किया गया।

बयान दर्ज करने के बाद पीड़ितों में से एक, सैयद अबू जाफर ने कहा कि उसने उपायुक्त को बताया कि कैसे चार जून को भगदड़ मची जब वह स्टेडियम के गेट नंबर 20 पर खड़ा था। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, ''मैंने उपायुक्त के समक्ष अपना बयान दर्ज करा दिया है। मैंने उन्हें बताया कि उस दिन क्या हुआ था। हालांकि उस दिन स्टेडियम में पुलिस मौजूद थी, लेकिन वे भीड़ को नियंत्रित करने में असमर्थ थे। उपायुक्त ने मेरे अस्पताल का पूरा खर्च उठाने की पेशकश की है।'' एक अन्य पीड़ित राजेश एम जी ने भी उपायुक्त से मुलाकात की और अपना बयान दर्ज कराया।

केरल तट के पास जहाज में लगी आग पर काबू पाया

कोच्चि/भाषा। सिंगापुर के ध्वज वाले कंटेनर पोत में लगी आग पर काफी हद तक नियंत्रण पा लिया गया है। रक्षा सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि जहाज फिलहाल स्थिर है, लेकिन बंदरगाह की तरफ करीब 10 से 15 डिग्री झुका हुआ है। उन्होंने बताया कि इलाके में बारिश हुई है। उन्होंने बताया कि तटरक्षक बल का डोर्नियर विमान खराब मौसम के कारण सुबह उड़ान नहीं भर पाया। हालांकि, अब यह अभी उड़ान में है और अपना काम कर रहा है। सूत्रों ने बताया कि विमान के अपना अभियान पूरा करने और सुरक्षित रूप से उतरने के बाद आगे की जानकारी मिलने की उम्मीद है।

सोमवार को सिंगापुर के ध्वज वाले जहाज एमवी वान हाई 503 में एक कंटेनर विस्फोट के बाद भीषण आग लग गई। जहाज के चालक दल के 18 सदस्यों को बचा लिया गया, जबकि चार अब भी लापता हैं।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com